मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 213
मंगलवार, 18 फरवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

विकास पहलों ने पूरे भारत में आदिवासी समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 17 फरवरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि देश में जारी विकास पहलों ने आदिवासी समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। आदि महोत्सव, 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं। मुर्मू ने कहा, हमारे देश का वास्तविक विकास तभी होगा जब हमारे आदिवासी समुदाय आगे बढ़ेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि विकास पहलों ने अरुणाचल प्रदेश से लेकर गुजरात और जम्मू-कश्मीर से लेकर अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तक के आदिवासी समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। उन्होंने कहा, इन प्रयासों ने न केवल आदिवासी परिवारों को अवसर प्रदान किए हैं, बल्कि उनकी संस्कृति और योगदान के बारे में जागरूकता भी बढ़ाई है। राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा इन प्रयासों का मूल है, जिससे आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर प्राप्त करने में मदद मिलेगी और उन्हें बेहतर भविष्य के लिए सशक्त बनाया जा सकेगा। मुर्मू ने यह भी कहा कि शिक्षा के अवसरों को और बढ़ाने के लिए लगभग 250 नए एकलव्य स्कूल निमार्णाधीन हैं।

उन्होंने कहा कि लाखों आदिवासी छात्र छात्रावास सुविधाओं से लाभान्वित हो रहे हैं और उन्हें विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता भी दी जा रही है।

मुर्मू ने कहा, शिक्षा किसी भी समाज के विकास में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यह बहुत संतोष की बात है कि 470 से अधिक एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) देश भर में 1.25 लाख आदिवासी बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच बढ़ाने के लिए आदिवासी बहुल क्षेत्रों में 30 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं। आदि महोत्सव, एक वार्षिक उत्सव है, जो आदिवासी विरासत, शिल्प और उद्यमशीलता का जश्न मनाता है और आदिवासी परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

मोदी ने ट्रंप को निर्वासित भारतीयों के मामले में जनाक्रोश से अवगत नहीं कराया : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 17 फरवरी। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप लगाया कि हाल में जब वह अमेरिका यात्रा पर थे तब उन्होंने अपने परम मित्र डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका से निर्वासित किये गये भारतीयों को बेड़ियों में जकड़ कर भेजे जाने से पैदा हुए आक्रोश के बारे में नहीं बताया।

अमेरिका से एक और निर्वासन उड़ान रविवार रात को अमृतसर पहुंचने वाली है। कई निर्वासित लोगों ने दावा किया कि उड़ान में उन्हें बेड़ियों में जकड़कर रखा गया था। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने अमेरिका से निकाले गए भारतीयों को बेड़ियों में जकड़ जाने की खबरों का हवाला देते हुए कहा, यह पूरी तरह स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री ने अपने परम मित्र (ट्रंप) को अमेरिका से भारतीय

नागरिकों को निकाले जाने के तरीके पर हमारे देश की नाराजगी से अवगत नहीं कराया। केवल कायर ही 56 इंच के सीने का दावा करते हैं।

शनिवार देर रात 116 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर एक अमेरिकी सैन्य विमान अमृतसर हवाई अड्डे पर पहुंचा। इन निर्वासितों में से पुरुषों ने दावा किया कि यात्रा के दौरान वे बेड़ियों में जकड़े हुए थे और सिख युवक कथित तौर पर बिना पगड़ी के थे। एक अमेरिकी सैन्य विमान पांच फरवरी को 104 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर अमृतसर हवाई अड्डे पर पहुंचा था। इनमें से 33-33 हरियाणा और गुजरात से थे, जबकि 30 पंजाब से थे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान अमृतसर हवाई अड्डे पर निर्वासित लोगों को लेकर अमेरिकी विमानों के पहुंचने के मामले में केंद्र पर निशाना साध रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे पवित्र शहर को निर्वासन केंद्र ना बनाएं।

बाजरा अनुसंधान संस्थान से किसानों को मिलेगा उन्नत किस्मों और नयी तकनीकों का लाभ : भागीरथ चौधरी

जयपुर, 17 फरवरी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने बाड़मेर में कहा कि बाजरा अनुसंधान संस्थान से किसानों को उन्नत किस्मों और नयी तकनीकों का लाभ मिलेगा। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ने गुड़ामालानी स्थित क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान संस्थान के स्थापना के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित श्री अन्न किसान मेला में शामिल होने के अवसर पर यह बात कही। चौधरी ने मेले का भ्रमण कर निमार्णाधीन संस्थान भवन का निरीक्षण किया और किसानों से संवाद किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मोटे अनाज (श्री अन्न) को बढ़ावा देने के लिए कई अहम कदम

उठाए गए हैं। मोदी ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में मनाकर इसे वैश्विक पहचान दिलाई और बाजरे को श्री अन्न का सम्मानजनक नाम प्रदान किया। चौधरी ने कहा कि राजस्थान देश में बाजरे का सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्र है। बाड़मेर जिले में बाजरे की खेती और खपत सबसे अधिक होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री ने बाड़मेर में क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान संस्थान की सौगात दी, जिससे यहां के स्थानीय किसानों को उन्नत किस्मों, नयी कृषि तकनीकों और बाजार केंद्रित रणनीतियों का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि बाजरा और अन्य मोटे अनाज सेहत के लिए बेहद लाभकारी हैं, ये न केवल प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं बल्कि किसानों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत करेंगे। अनुसंधान संस्थान में बाजरे की नयी उन्नत किस्मों के विकास, खाद्य उत्पादों की विविधता और बेहतर विपणन रणनीतियों पर काम किया जाएगा।

हमारा अर्थशास्त्र, महाकुंभ का विरोध करने वालों की अपेक्षा बेहतर है : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 17 फरवरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनका अर्थशास्त्र महाकुंभ का विरोध करने वालों की अपेक्षा बेहतर है। आदित्यनाथ ने महाराष्ट्र से आये युवा उद्यमियों से संवाद कार्यक्रम में महाकुंभ पर उंगली उठाने वालों को जवाब देते हुए कहा, महाकुंभ का विरोध करने वालों की अपेक्षा हमारा अर्थशास्त्र बेहतर है। उन्होंने उद्यमियों से पूछा कि अगर केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा 7500 करोड़ रुपये खर्च किए जाने से अर्थव्यवस्था में तीन से साढ़े तीन लाख करोड़ रुपयों की अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है तो कौन सा सौदा सही है?

मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संस्थापक लालू प्रसाद यादव के उस बयान के बाद आयी है जिसमें उन्होंने महाकुंभ को कथित तौर पर फालतू करार दिया था। आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में डुबकी लगाने वालों की संख्या अगर 60 करोड़ तक पहुंचती है तो उत्तर प्रदेश के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में सवा तीन से साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा, अयोध्या, प्रयागराज, काशी, चित्रकूट, गोरखपुर, नैमिषारण्य में बेहतरीन अवसंरचना है।

अयोध्या में सड़क चौड़ीकरण, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम के दौरान यह लोग विरोध कर रहे थे, लेकिन जब सरकार ने दृढ़ इच्छाशक्ति से निर्णय लिया तो

परिणाम सामने है। एक वर्ष में श्री राम जन्म भूमि मंदिर में 700 करोड़ का चढ़ावा आया। इन लोगों (विपक्ष) को अब यह भी बुरा लगेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने मान लिया था कि आस्था में ताकत नहीं है, लिहाजा दुष्परिणाम भुगतना पड़ा। गुलामी के कालखंड में यह बात मन में डाली गई कि भारतीय को कमतर करके आंकों, उसे महत्वहीन कर दो। प्रधानमंत्री मोदी जी ने पहली बार भारतवासियों को अहसास कराया कि देश से जुड़े जीवन मूल्यों, आस्था तथा उत्पाद को महत्व देकर हम स्वयं की महत्ता को बढ़ा सकते हैं।

उन्होंने कहा, दूसरों की उपलब्धियों के बजाय पूर्वजों की विरासत पर गौरव की अनुभूति करेंगे तो दुनिया को बहुत कुछ दे पाएंगे। आज प्रयागराज वही कर रहा है। प्रयागराज, काशी तथा अयोध्या ने अपनी क्षमता को उजागर किया। अनेक लोगों को रोजगार मिला तो कइयों की आमदनी बढ़ाने में भी मदद मिली। आदित्यनाथ ने कहा, महाकुंभ में अब तक 53 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं। अगले नौ दिन तक यह उत्सव इसी रूप में जारी रहेगा। यही भारत की क्षमता है। भारत की आस्था को यदि सम्मान दिया गया होता तो भारत और भी ऊंचाइयों पर होता। उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति और परंपराओं को सम्मान देकर किस तरह देश की एकता और आर्थिकी को प्रोत्साहित किया जा सकता है, यह प्रयागराज महाकुंभ के अवसर पर सहज ही अनुभव किया जा सकता है। युवा भारत संस्था के तत्वावधान में आयोजित इस संवाद कार्यक्रम में मुंबई के औद्योगिक घरानों से जुड़े उद्यमी भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा, देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में 25 करोड़ लोग रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्ष के अंदर पहली बार देश की आस्था को सम्मान प्राप्त हुआ है।

तमिलनाडु में 5800 करोड़ रुपये के अवैध रेत खनन मामले की सीबीआई जांच का आदेश

चेन्नई, 17 फरवरी। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के तटीय जिलों तिरुनेलवेली, तूतोकोरिन और कन्याकुमारी में निजी खनन कंपनियों द्वारा 5,832 करोड़ रुपये का कथित अवैध रेत खनन किए जाने के मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया। इसने एजेंसी को मामले में अधिकारियों की भूमिका की जांच करने का भी निर्देश दिया और कहा कि मामले में राजनीतिक सांठगांठ से इनकार नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति एस एम सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति एम जोतिरमन की खंडपीठ ने केंद्रीय एजेंसी से आपराधिक

मामला दर्ज करने और जांच शुरू करने को कहा।पीठ ने एक स्वतः संज्ञान जनहित याचिका, वी.वी. मिनरल्स और 29 अन्य की याचिकाओं पर आदेश पारित किया। उसने कहा कि यह अदालत इस मामले को सीबीआई को सौंपने के लिए उपयुक्त मामला मानती है और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को आपराधिक मामले दर्ज करने तथा जांच शुरू करने का निर्देश दिया जाता है। अदालत ने कहा कि सीबीआई निदेशक इस घोटाले की जांच करने के लिए आवश्यक संख्या में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करेंगे, जिनमें विशेषज्ञता और उच्च निष्ठा वाले अधिकारी शामिल होंगे। पीठ ने कहा कि इसके अलावा, सीबीआई निदेशक को गठित की जाने वाली एसआईटी की जांच की निगरानी करनी होगी।पीठ ने कहा कि जिस मुख्य मुद्दे की जांच की जानी चाहिए, उसमें अवैध तटीय रेत खनन माफिया की कार्यप्रणाली, अधिकारियों की भूमिका शामिल है, जो सरकारी खजाने को हुए इस भारी आर्थिक नुकसान के लिए जिम्मेदार हैं। इसने कहा कि इस बड़े घोटाले में राजनीतिक सांठगांठ की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा, इसलिए सीबीआई को कथित राजनीतिक सांठगांठ की जांच करने का निर्देश दिया जाता है, और निजी खनन कंपनियों के साथ साजिश रचने में नीति बनाने वाले अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जाए।

पलानीस्वामी ने द्रमुक को 2026 में सत्ता से बेदखल करने का लिया संकल्प

तमिलनाडु, 17 फरवरी। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने रविवार को कहा कि 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को टक्कर देने और चुनाव जीतने के लिए उनकी पार्टी एक विशाल गठबंधन बनाएगी।पलानीस्वामी ने प्रदेश में महिलाओं व बच्चों के खिलाफ अपराधों को लेकर मुख्यमंत्री एम के स्टालिन पर निशाना साधा। उन्होंने पार्टी की इलैग्यार्गल-इलम पेंगल पासराई शाखा के एक सम्मेलन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन कहते हैं कि राज्य में उनकी पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन के घटक दलों की एक ही विचारधारा हैं। पलानीस्वामी ने कहा, ऐसी स्थिति में अलग-अलग पार्टियों की क्या जरूरत है? सभी पार्टियों का द्रमुक में विलय किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक के संबंध में चुनावी गठबंधन और विचारधारा दो अलग-अलग चीजें हैं तथा गठबंधन केवल चुनाव जीतने के लिए वोटों के विभाजन को रोकने के लिए होते हैं। महासचिव ने कहा, 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अन्नाद्रमुक की अगुआई में एक विशाल गठबंधन बनाया जाएगा।

मन्दिरों एवं धर्म-स्थलों में वीआईपी संस्कृति समाप्त हो

-ललित गर्ग

मन्दिरों, धर्मस्थलों एवं धार्मिक आयोजनों में वीआईपी संस्कृति एवं उससे जुड़े हादसों एवं त्रासद स्थितियों ने न केवल देश के आम आदमी के मन को आहत किया है, बल्कि भारत के समानता के सिद्धान्त की भी धज्जियां उड़ा दी है। मौनी अमावस्या महाकुंभ में भगदड़ के चलते तीस लोगों की मौत ने ऐसे मौकों पर कुछ विशेष लोगों को मिलने वाले वीआईपी सम्मान एवं सुविधा पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। बात केवल महाकुंभ की नहीं है, बल्कि अनेक प्रतिष्ठित मन्दिरों में वीआईपी संस्कृति के चलते होने वाले हादसों एवं आम लोगों की मौत ने अनेक सवाले खड़े किये हैं। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले ही कार्यकाल के दौरान वीआईपी कल्चर को खत्म करते हुए लालबत्ती एवं ऐसी अनेक वीआईपी सुविधाओं को समाप्त कर दिया था तो मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों की वीआईवी संस्कृति को क्यों नहीं समाप्त किया? क्यों

महाकुंभ में वीआईपी स्नान के लिये सरकार ने अलग से व्यवस्थाएं की। क्यों यह विधायक अपने पद का वैभव प्रदर्शित करते हुए महाकुंभ में कारों के बड़े काफिले के साथ घूमते एवं स्नान करते हुए, पुलिस-सुविधा का बेजा इस्तेमाल करते हुए एवं सेल्फी लेते हुए करोड़ लोगों की भीड़ का मजाक बनाते रहे? सवाल यह पूछा जा रहा है कि हिंदुओं के धार्मिक स्थलों और आयोजनों में क्यों भक्तों के बीच भेदभाव होता है? वीआईपी दर्शन की अवधारणा भक्ति एवं आस्था के खिलाफ है। यह एक असमानता का उदाहरण है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी आघात करता है।

महाकुंभ हो या मन्दिर, धार्मिक आयोजन हो या कीर्तन-प्रवचन भगदड़ के कारण जो दर्दनाक हादसे होते रहे हैं, जो असंख्य लोगों की मौत के साक्षी बने हैं, उनसे वीआईपी कल्चर पर एक बार फिर से नये सिरे से बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि जब गुरुद्वारे में वीआईपी दर्शन नहीं, मस्जिद में वीआईपी नमाज नहीं, चर्च में वीआईपी प्रार्थना नहीं होती है तो फिर हिन्दू मंदिरों में कुछ प्रमुख लोगों के लिए वीआईपी दर्शन क्यों जरूरी है? क्या इस पद्धति को खत्म नहीं किया जाना चाहिए, जो हिंदुओं में दूरिया का कारण बनता है? योगी सरकार ने मौनी अमावस्या के दिन हुए हादसे से सबक लेते हुए, भले ही वीआईपी सिस्टम पर रोक लगायी हो, लेकिन इस रोक के बावजूद महाकुंभ में वीआईपी संस्कृति बाद में भी पूरी तरह हावी रही है। महाकुंभ हो या प्रसिद्ध मन्दिर वीआईपी पास एवं दर्शन की व्यवस्था समाप्त क्यों नहीं होती? यह व्यवस्था समाप्त होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 7 जनवरी को ही धार्मिक स्थलों पर होने वाली वीआईपी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किये हैं। उन्हें ऐसे हासदे की उम्मीद भी नहीं रही होगी। निश्चित ही जब किसी को वरीयता दी जाती है और प्राथमिकता दी जाती है तो उसे वीवीआईपी या वीआईपी कहते हैं। यह समानता की अवधारणा को कमतर आंकना है। वीआईपी संस्कृति एक पथभ्रष्टता है। यह एक अतिक्रमण है। यह मानवाधिकारों का हनन है। समानता के नजरिए से देखा जाए तो समाज में इसका कोई स्थान नहीं होना चाहिए, धार्मिक स्थलों में तो बिल्कुल भी नहीं।

देश की कानून व्यवस्था एवं न्यायालय भी देश में बढ़ती वीआईपी संस्कृति को लेकर चिन्तित है। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने अपनी एक सुनवाई के दौरान कहा भी है कि लोग वीआईपी संस्कृति से हताशाग्रस्त हो गए हैं, खासतौर पर मंदिरों में। इसके साथ ही अदालत ने तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिरों में विशेष दर्शन के संबंध में कई दिशा निर्देश जारी किए। राजस्थान में गहलोत सरकार ने भी मन्दिरों में वीआईपी दर्शनों की परम्परा को समाप्त करने की घोषणा की थी कि मन्दिरों में बुजुर्ग ही एकमात्र वीआईपी होंगे। इस तरह की सरकारी घोषणाएं भी समस्या का कारगर उपाय न होकर कोरा दिखावा होती रही है। अक्सर नेताओं एवं धनाढ्यों को विशेष दर्शन कराने के लिए मंदिर परिसरों को आम लोगों के लिये बंद कर दिया जाता है, जिससे श्रद्धालुओं को भारी परेशानी होती है, लोग वास्तव में इससे दुखी होते हैं और कोसते हैं। वीआईपी लोगों को तरह-तरह की सुविधाएं दी जाती है, मन्दिर के मूल परिसर-गर्भ परिसर में दर्शन कराये जाते हैं, उनके वाहन मन्दिर के दरवाजे तक जाते हैं, उनके साथ पुलिस-व्यवस्था रहती है, जबकि आम श्रद्धालुओं को कई किलोमीटर पैदल चलना होता है, भगवान के दर्शन दूर से कराये जाते हैं, उनके साथ धक्का-मुक्की की जाती है।

तीर्थस्थलों और गंगा स्नान में वीआईपी संस्कृति की बात कि जाये तो महाकुंभ मेले प्रयागराज, हरिद्वार या वाराणसी जैसे तीर्थस्थलों पर आम श्रद्धालुओं को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है, लेकिन वीआईपी के लिए अलग घाट बना दिये जाते हैं। जहां आम लोग भीड़ में संघर्ष करते हैं, वहीं खास लोगों के लिए विशेष स्नान व्यवस्था, सुरक्षा घेरा और सुविधाएं मुहैया कराई जाती है। कई बार वीआईपी के स्नान के लिए आम श्रद्धालुओं को घंटों रोका जाता है, जिससे भीड़ में अफरातफरी तक मच जाती है। सवाल ये है कि जहां करोड़ों लोग जुट रहे हों, वहां आम श्रद्धालुओं की असुविधा को बढ़ाकर वीआईपी स्नान जैसी व्यवस्था क्यों? वीआईपी स्नान के बेहूदे एवं शर्मनाक प्रदर्शन की टीस महाराज प्रेमानंद गिरि के शब्दों में दिखी जब उन्होंने कहा कि प्रशासन का पूरा ध्यान वीआईपी पर था। आम श्रद्धालुओं को तो उनके हाल पर छोड़ दिया गया था। उनका आरोप है कि पूरा प्रशासन वीवीआईपी की जी-हुजूरी में लगा रहा, तुष्टीकरण में लगा रहा।

मोदी के शासन-काल में हिन्दू मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों के लिये जनता का आकर्षण बढ़ा है, बात चाहे श्रीराम मन्दिर अयोध्या की हो या महाकुंभ की या ऐसे ही अन्य धर्मस्थलों की, करोड़ों की संख्या में आम लोग इन स्थानों तक पहुंच रहे हैं, लेकिन ईश्वर के दर्शन भी उनके लिये दोयम दर्जा एवं असमानता लिये हुए है। देश की आजादी के बाद सरकार ने कुछ मंदिरों में ट्रस्ट के माध्यम से व्यवस्था अपने हाथों में ली। शुरूआत में तो सभी मंदिर आम आदमी के लिये सुगम थे लेकिन धीरे धीरे अब इसमें प्रशासन के लोग अपनी घुसपैठ जमाने लगे। भीड़ भाड़ की स्थिति में अपने लोगों, अधिकारियों एवं नेताओं के लिए अलग से व्यवस्था का इंतजाम करने लगे। धीरे-धीरे ये राजनेताओं, मंत्रियों, अधिकारियों के वीआईपी दर्शन का आधार बनने लगे। इसका स्वरूप फिर से एक बार और बदला और एक नई संस्कृति का उदय हुआ और वह था वीआईपी दर्शन जो उनलोगों के लिए था जो एक विशेष शुल्क देकर उसका लाभ उठा सकते हैं, यानि भगवान के दरबार में भी दो तरह की व्यवस्था हो गई। एक आम जनता के लिए और एक उन लोगों के लिए जो आर्थिक रूप से सक्षम हों। एक आम आदमी जो घंटों लाइन में लगने के बाद मंदिर के अंदर प्रवेश करता है तो उसे बाहर से ही दर्शन करने के लिए बाध्य किया जाता है जैसे वह कोई अछूत हो और वहीं दूसरी ओर आपके सामने ही कुछ वीआईपी लोग बड़े आराम से मंदिर के गर्भगृह में दर्शन लाभ करते हुए नजर आते हैं।

लगता है मन्दिरों में दर्शन एवं धार्मिक आयोजनों में सहभागिता को लेकर आम आदमी गुलामी की मानसिकता को ही जी रहा है। इन स्थानों पर उसके स्वाभिमान, सम्मान एवं समानता को बेरहमी से कुचला जा रहा है। ये कैसा मंदिर और ये कैसा दर्शन जहाँ सरेआम आम दर्शनार्थी का अपमान हो रहा है। भगवान के मंदिर में वीआईपी व्यवस्था का क्या औचित्य है? इसलिए जिस भी मन्दिर में वीआईपी दर्शन की सुविधा दी जा रही है उसके खिलाफ जनक्रांति हो। आज हिन्दू मन्दिरों की भेदभाव पूर्ण दर्शन-व्यवस्था को समाप्त करके ही आम आदमी का उसका उचित सम्मान किया जा सकता है, उसकी निराशा एवं पीड़ा को समझा जा सकता है। उन्नत राष्ट्र-चरित्र निर्मित को निर्मित करते हुए सबसे बड़ी जरूरत है कि पास, धन के बल अथवा राजनीतिक वर्चस्व के लिए हकदार का, गुणवंत का, आम आदमी का हक नहीं छीना जाए। अन्यथा आम आदमी के अन्तर पनप रहा यह विद्रोह एवं असंतोष किसी बड़ी क्रांति का कारण न बन जाये? भाजपा सरकार मन्दिरों एवं धार्मिक-स्थलों से वीआईपी संस्कृति को समाप्त करने के लिये कोई ठोस कदम उठाये। प्रेषकः

आस्था के नाम पर कब तक होती रहेगी मौतें!

अशोक भाटिया

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात में मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई। भगदड़ की यह घटना उस समय हुई जब महाकुंभ जाने के लिए बड़ी संख्या में लोग स्टेशन पर इकट्ठा हुए थे। इस दुखद घटना के पहले भी भगदड़ के कारण अनेक लोग हताहत हुए हैं। कुछ सप्ताह पहले प्रयागराज में महाकुंभ में भी भगदड़ मची थी। 29 जनवरी को महाकुंभ के संगम क्षेत्र में भगदड़ में 36 लोग मारे गए और 60 घायल हो गए, जब श्रद्धालु मौनी अमावस्या के अवसर पर स्नान करने के लिए इकट्ठा हुए थे।

दरअसल महाकुम्भ प्रयागराज में भीड़ के कारण भगदड़ मचने से 36 लोगों की मौत के बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर कुम्भ स्नान के लिए जाने वाले 18 श्रद्धालुओं की मौत हो जाना दुखद त्रासदी है। मानव जीवन बेहद अनमोल है। उसे किसी भी स्थिति में कुचला नहीं जाना चाहिए। जो संसार में पैदा होता है उसका संसार से जाना तय है लेकिन मृत्यु वह होनी चाहिए जो नियति ने तय की हो। क्या प्रयागराज त्रासदी के बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में हुई मौतों को नियति मान लिया जाए। महाकुम्भ की सफलता का श्रेय केन्द्र और उत्तर प्रदेश सरकार ले रही है तो भगदड़ और मौतों का ठीकरा भी उसी के सिर फूटना चाहिए। एक ओर तो महाकुम्भ में 51 करोड़ से भी ज्यादा श्रद्धालुओं द्वारा स्नान करने के वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम होने पर उत्सव मनाए जा रहे हैं लेकिन आस्थावान लोगों की मौत का क्या, जिनकी आस्था अधूरी रह गई। शायद यही उनकी नियति है। यह दुखद है कि ऐसे हादसों के बाद बेहतर तैयारियां तथा सुरक्षा प्रबंध पुख्ता किए जाने के दावे किए जाते हैं, मगर हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे। महाकुम्भ में इस बार पहले से ही अनुमान लगाया जा रहा था कि रिकॉर्ड तोड़ ?श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचेंगे। सारा दबाव प्रयागराज पर था लेकिन किसी ने अनुमान ही नहीं लगाया कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी भगदड़ की स्थिति हो सकती है। धार्मिक श्रद्धा का सवाल पूरी तरह से व्यक्तिगत है और आस्था प्रतिस्पर्धा या उन्माद का सवाल नहीं है लेकिन इस बार आस्थावान लोगों ने महाकुम्भ में स्नान कर पुण्य कमाने या मोक्ष प्राप्त करने की लालसा को उन्माद में बदल दिया। इसी उन्माद में उन्हें भीड़ के पांव तले कुचले जाने को विवश होना पड़ा।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ त्रासदी ने सिस्टम के पुराने जख्मों को फिर कुरेद दिया है। कारण कुछ भी रहे हों लेकिन रेलवे प्रशासन भीड़ का प्रबंधन करने में पूरी तरह से नाकाम रहा। श्रद्धालु रेलवे प्रशासन की कुव्यवस्था की नाकामी बता रहे हैं। कोई कह रहा है कि भगदड़ प्लेटफार्म बदलने से हुई, कोई ?यह कह रहा है कि महाकुम्भ के लिए भारी प्रचार का परिणाम यही होना था कि करोड़ों लोग डुबकी लगाने पहुंचने लगे और व्यवस्थाएं ध्वस्त होने लगीं। आस्था के नाम से जीवन की यह पहली घटनाएँ नहीं है इसके पूर्व भी आस्था के नाम पर कई घटनाएँ हो चुकी है जिसमें कई आस्थावान श्रधालुओं की जीवन लीला हर ली है। दिल्ली से करीब 200 किलोमीटर दूर उत्तरप्रदेश के हाथरस में बाबा नारायण हरि साकार उर्फ भोले बाबा के सत्संग में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस भगदड़ की न्यायिक जांच कराने का निर्णय लिया है। हादसे के बाद बुधवार को हाथरस पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने मीडिया को इसकी जानकारी दी। योगी ने घटना में साजिश की तरफ इशारा करते हुए कहा, ह्यह्मयह हादसा था या कोई साजिश और अगर साजिश थी तो इसमें किसका हाथ है यह जाँच में पता चल जाएगा। हालांकि, हाथरस में ही पहली बार ऐसा हादसा हुआ है, ऐसा नहीं है। पहले भी भीड़भाड़ वाले स्थलों खासकर धार्मिक आयोजनों या धार्मिक स्थलों पर ऐसे हादसे होते रहे हैं। जिसके बाद जांच और कार्रवाई तो होती है पर कोई जिम्मेदार सबक लेता नहीं दिखाई देते है। कई हादसों की तो रिपोर्ट ही सार्वजनिक नहीं होती है। आमतौर पर धार्मिक आयोजनों या धर्मस्थलों पर भारी भीड़ उमड़ती है। गहरी आस्था के चलते लोग अपने आराध्य के दर्शन करने या उनके बारे में सत्संग-प्रवचन सुनने के लिए बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। एक जनवरी 2022 को माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े थे, जिससे भगदड़ मच गई थी। इस हादसे में 12 लोगों की जान चली गई थी, जबकि एक दर्जन घायल हुए थे।

ऐसे ही महाराष्ट्र के सतारा में साल 2005 की 25 जनवरी को मंधारदेवी मंदिर में सालाना तीर्थयात्रा के दौरान मची भगदड़ में 340 से अधिक श्रद्धालुओं की कुचलने से मौत हो गई थी। तीन अक्तूबर 2014 को पटना के गांधी मैदान में दशहरा समारोह के समाप्त होने के बाद भगदड़ में 32 जानें गई थीं। चार मार्च 2010 को उत्तरप्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में स्थित मनगढ़ में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में मची भगदड़ में 63 लोगों की जान चली गई थी। पटना में गंगा के तट पर 19 नवंबर 2012 को छठ पूजा के दौरान अचानक अस्थायी पुल ढहने से भगदड़ मच गई थी। इसमें 20 लोगों की मौत हो गई थी। इससे पहले आठ नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा किनारे हरकी पैड़ी पर मची भगदड़ में कम से कम 20 लोगों की जान चली गई थी।

भारी भीड़ के कारण भगदड़ मचने के और भी कई उदाहरण हैं। इसके लिए कहीं न कहीं इंतजामों की कमी भी जिम्मेदार होती है। वास्तव में लोग अपनी-अपनी आस्था के कारण धार्मिक स्थलों या आयोजन में शामिल होना चाहते हैं और इसके लिए वे किसी बात की परवाह नहीं करते। ऐसे में जरा सी भी ऊंच-नीच भगदड़ का कारण बन जाती है। भारी भीड़ के बीच छोटी सी अफवाह भी बड़ा रूप ले लेती है। साल 2011 की 14 जनवरी को केरल के इडुक्की जिले में एक जीप सबरीमाला मंदिर में दर्शन कर रहे श्रद्धालुओं से टकरा गई थी। इसके बाद ऐसी अफवाह फैली, जिससे भगदड़ मच गई और इसमें 104 श्रद्धालुओं की जान चली गई थी।

देश के कई धार्मिक स्थलों के परिसर तो काफी बड़े हैं पर मुख्य दर्शन या पूजा स्थल काफी छोटे हैं। इसमें एक साथ भीड़ का रेला आता है तो धक्के के कारण लोग एक-दूसरे के ऊपर चढ़ने लगते हैं। इस दौरान लोग खुद के शरीर को ही नियंत्रित नहीं कर पाते हैं। ऐसे में अगर एक व्यक्ति भी भीड़ में गिर जाता है तो लोग चाहते हुए भी खुद को रोक नहीं पाते हैं और उस पर चढ़ जाते हैं।

नतीजा यह होता है कि भीड़ में किसी के गिरने, बेहोश होने या मौत की अफवाह फैलती है और बचने के लिए लोग भागने लगते हैं। भीड़ में शामिल लोग, खासकर बुजुर्ग, बच्चे और महिलाएं इस भगदड़ का सबसे ज्यादा शिकार होते हैं। इसके लिए स्थानीय प्रशासन भी कहीं न कहीं जिम्मेदार होता है, जो आस्था के आगे हाथ खड़े कर देता है। छोटे स्थल पर अधिक लोगों की भीड़ बढ़ने पर भी वह लोगों को रोकता नहीं है।

हाथरस के मामले में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है। बताया जा रहा है कि हाथरस में अनुमति और आकलन से कहीं ज्यादा भीड़ पहुंच गई थी। इसके बावजूद प्रशासन तमाशबीन बना रहा और न तो आयोजन निरस्त किया और न ही लोगों को रोकने की कोशिश की।

धार्मिक आयोजन हों या अन्य कोई आयोजन, जिसमें ऐसी हस्तियां पहुंचती हैं, जिनके कारण भारी भीड़ इकट्ठा हो सकती है तो आयोजक खुद को वीआईपी से भी बड़ा मानने लगते हैं। इसके कारण वे लोगों के साथ मनमानी करते हैं। उन्हें रोकते-टोकते हैं। इसके कारण लोगों में गुस्सा पनपने लगता है और यह किसी न किसी रूप में फूटता है। कई बार पत्थरबाजी और तोड़फोड़ होती है तो कई बार वीआईपी के लिए बनाए गए मंच आदि पर भीड़ चढ़ जाती है।

हाथरस की घटना में भी इस तरह का नजारा सामने आने की बात प्रत्यक्षदर्शी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि बाबा के काफिले को निकालने के लिए वहां मौजूद श्रद्धालुओं को आयोजन की व्यवस्था संभालने लगे लोगों ने रोक दिया था, जबकि वे किसी भी कीमत पर बाबा के पास पहुंचना चाहते थे। आमतौर पर प्रशासन भी ऐसे मामलों की अनदेखी करता है।

मौसम का भी ऐसे आयोजनों के दौरान भगदड़ का अहम योगदान होता है। सर्दी, गर्मी हो या फिर बारिश का मौसम भारी भीड़ के कारण आयोजन स्थल पर उमस होती ही है। भीषण सर्दी में भी भीड़ के बीच लोगों के पसीना निकलने लगता है। इससे बचने के लिए वे बाहर निकलने की कोशिश करते हैं। अगर गर्मी का मौसम हो तो उमस उन्हें बेचैन करने लगती है। आयोजन अगर बंद स्थान पर हो रहा हो और ठंडी हवा की व्यवस्था न हो तो हर कोई परेशान हो जाता है। खुले में हो रहे आयोजन के दौरान जरा सी बारिश होने या बूंदें पड़ने पर ही लोग भागने लगते हैं।

हाथरस के चश्मदीदों के हवाले से बताया जा रहा है कि सत्संग स्थल भीषण गर्मी थी। उमस से लोग व्याकुल हो रहे थे और इससे भक्तों को बचाने के लिए उचित प्रबंध नहीं किए गए थे। ऐसे में आयोजन खत्म होने के बाद लोग जल्द से जल्द भीड़ से निकलकर हवादार स्थल या अपने घर पहुंचना चाहते थे। इसी जल्दबाजी में स्थिति और भी विकराल होती चली गई।

मालूम हो कि हाथरस वाले मामले में उत्तरप्रदेश सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, ह्यह्मइसमें प्रशासन और पुलिस के सेवानिवृत अधिकारियों को रखकर घटना की तह में जाएंगे और जो भी इसके लिए दोषी होगा उन सभी को सजा दी जाएगी।" गौरतलब है कि जोधपुर के मेहरानगढ़ किले में हुए हादसे के अब 16 साल बीत चुके हैं। हाथरस वाले हादसे की तरह ही मेहरगढ़ दुखांतिका की जांच के लिए हाई कोर्ट के रिटायर जज जस्टिस जसराज चोपड़ा की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन हुआ था। लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि 216 लोगों की मौत मामले में हुई जांच की रिपोर्ट आज 16 साल बाद भी सार्वजनिक नहीं हो सकी है। साल 2008 में राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी और अशोक गहलोत मुख्यमंत्री थे। 30 सितंबर को हुई इस दुर्घटना के बाद दो अक्तूबर को सरकार ने जस्टिस जसराज चोपड़ा की अध्यक्षता में एक न्यायिक जांच आयोग का गठन किया। जांच आयोग ने करीब ढाई साल बाद अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी। लेकिन जब रिपोर्ट सौंपी गई कि तब राज्य में भाजपा की सरकार थी। कहा जाता है कि सरकार ने उस रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया और इस घटना के पीड़ितों के परिवारजन न्याय पाने के लिए दर-दर भटक रहे हैं। इसी साल मई में राजस्थान हाईकोर्ट खंडपीठ में जोधपुर के मेहरानगढ दुखांतिका को लेकर चोपड़ा आयोग की रिपोर्ट एवं दो कैबिनेट उप समितियों की रिपोर्ट को पेश किया गया था। इस दौरान महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा, अब इस मामले को 16 साल हो चुके हैं। इसीलिए सामाजिक सद्भाव और शांति-व्यवस्था को देखते हुए इस रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं करना चाहिए। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि पूरी रिपोर्ट को राज्य सरकार को सार्वजनिक करना चाहिए। अब मामले की अगली सुनवाई 29 जुलाई को है। मेहरानगढ़ हादसे की जांच रिपोर्ट सामने नहीं आने से अब यह सवाल उठता है कि बाकी भगदड़ पर गठित होने वाली कमेटी की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक होगी या नहीं।

महाकुंभः एकता, श्रद्धा, भक्ति के साथ सनातन की गूंज

-सुरेश गांधी

फिरहाल, कड़वा सच तो यही है कि महापर्व महाकुंभ की अलौकिक भव्यता और पवित्रता के बीच सनातन की गूंज पूरे विश्व में सुनाई दे रही है। मानवता के इस महापर्व में देश-विदेश के कोने-कोने से, अलग-अलग भाषा, जाति, पंथ, संप्रदाय के धार्मिक संत, संन्यासी और आम जनमानस सम्मिलित हो चुके है या होने वाले हैं। इस महाकुम्भ ने गांव-गिराव की आपसी वैमनस्यता को भी तिलाजंलि दे दी है। एकता, समता और समरसता के धागे में लोग कुछ इस तरह पिरो रहे है, जो कभी नहीं टूटने वाला है। जो भी इस महाकुम्भ को देख व समझ रहा है, उसके जुबान से सिर्फ यही निकल रहा है, यह महाकुंभ एकता व सनातन की बुलंदियों का महाकुंम होकर रह गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी विभिन्न मंचों से इस महाकुम्भ को सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा समागम बता चुके हैं और इसे चरितार्थ करते हुए उन्होंने इस बार विभिन्न वर्गों एवं संप्रदायों से आने वाले साधु संतों, सेलीब्रेटी से लेकर आम जनमानस तक का सम्मान व अभिनंदन कर एक नई पहल और उदाहरण प्रस्तुत किया है।

यूनेस्को ने महाकुम्भ को विश्व का सबसे बड़ा मानवीय और आध्यात्मिक सम्मेलन बताते हुए मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत घोषित किया है। उसका मानना है कि महाकुम्भ भारत की सांस्कृतिक विविधता में समायी हुई एकता और समता के मूल्यों का सबसे बड़ा प्रतीक बनकर उभरा है। यहां सब एक समान हैं। लोगों के मन में ये प्रश्न भी है कि इस आयोजन में ऐसा क्या है जिसमें लगा कि महाकुंभ सबका है। यह इसलिए क्योंकि देश के कोने-कोने से अलग-अलग पृष्ठभूमि से जुड़े लोगों से लेकर भारत के हर कोने की सभ्यता की ध्वनियां इस महाकुंभ में सुनाई दे रही है। एक तरह से सनातन सभ्यता की प्रत्येक ध्वनि, प्रत्येक भावना और प्रत्येक परंपरा की छाया इस महाकुंभ में नजर आयी। चाहे वो संतों और संन्यासियों में बड़ी संख्या में पहुंचे अनुसूचित जाति, घुमंतू जातियों, उत्तर पूर्व के साथ ही बौद्ध धर्म के विदेशी धार्मिक संत हो या नानक पंथी, बौद्ध हो सभी ने एकता, समता, समरसता को आत्मसात करते हुए सनातन के प्रति सम्मान पेश कर एकजुटता का अभूतपूर्व उदाहरण प्रस्तुत किया है।

लक्ष दीप और अंडमान निकोबार से लेकर लद्दाख के सुदुर पर्वतों तक, मिजोरम एवं नागभूमि के हरित वनों से लेकर मरुभूमि की रेत के साथ समग्र देश इस महाकुंभ का साक्षी बना। श्रद्धालु, समस्त साधु, संन्यासियों का आशीर्वाद लेकर लौट रहे हैं, मंदिरों में दर्शन

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था-गर्व से कहो, हम हिंदू हैं और महाकुम्भ से भी कुछ इसी तरह का संदेश गूंज रहा है। या यूं कहे आस्था, एकता, सामाजिक समरसता और भारतीय संस्कृति का संगम बन चुके महाकुंभ के प्रति श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास कुछ इस तरह का हो गया है, जो लाख संकट व झंझावतों के बाद भी 24 दिन में 53 करोड़ से अधिक आस्थावानों ने न सिर्फ डूबकी लगा चुके है, बल्कि सभी प्रमुख अमृत स्नानों के बीतने के बाद भी आवागमन थमने का नाम नहीं ले रहा। उमड़ती भीड़ अंदाजा लगाया जा सकता है ये आंकड़ा महाशिवरात्रि तक 60 करोड़ पार कर जायेगा। खास यह है कि जो लोग महाकुंभ पहुंच रहे हैं, वे सब इस तथ्य को सहज भाव से स्वीकार करते हैं कि महाकुंभ ने जाति, वर्ग, भाषा, प्रांत की सीमाओं को परे रख परंपरा से ओत-प्रोत रह प्रगति को गले लगा एक राष्ट्र की सामूहिक चेतना का संचार किया है। जो लोग कल तक सनातन को गालियां दे रहे थे, उनके लिए विश्व के इस सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन में उमड़ रही लोगों की श्रद्धा और अपने संस्कृति के प्रति लगाव, यह बताने के लिए काफी है, सनातन न कभी झुका है और न ही टूटने वाला है। ये वही सनातन है, जिसके ज्वार ने मुगलियां आक्रांताओं को खदेड़ा तो ब्रतानियां हुकूमत की जड़े उखाड़ दी

कर अन्नक्षेत्र में एक ही पंगत में बैठ कर भण्डारों में खाना खा रहे हैं। कहा जा सकता है महाकुम्भ भारत की सांस्कृतिक विविधता में समायी हुई एकता और समता के मूल्यों का सबसे बड़ा प्रदर्शन स्थल बन चुका है, जिसे दुनिया भर से आये पर्यटक देखकर आश्चर्यचकित हैं, कैसे अलग-अलग भाषायी, रहन-सहन, रीति-रिवाज को मानने वाले एकता के सूत्र में बंधे संगम में स्नान करने चले आते हैं। साधु-संन्यासियों के अखाड़े हों या तीर्थराज के मंदिर और घाट, बिना रोक टोक श्रद्धालु दर्शन, पूजन कर रहे हैं। संगम क्षेत्र में चल रहे अनेक अन्न भण्डार सभी भक्तों, श्रद्धालुओं के लिए दिनरात खुले हैं जहां सभी लोंग एक साथ पंगत में बैठ कर भोजन ग्रहण कर रहे हैं। महाकुम्भ मेले में भारत कि विविधता इस तरह समरस हो जाती है कि उनमें किसी तरह का भेद कर पाना संभव नहीं है। इस महाकुंभ की सफलता का बड़ा कारण यह भी रहा कि यह पूरी तरह से धार्मिक, आध्यात्मिक और सामाजिक स्वरुप लिए हुआ है। इसमें झोपडी से लेकर महलों तक में रहने वालों की भागीदारी न सिर्फ दिखी, बल्कि डुबकी भी लगाती नजर आयी।

राष्ट्र और सनातन सभ्यता के विभिन्न उद्गम स्थलों से निकलने वाले नवीन और प्राचीन परंपराओं की झलक दिखी। सभी अखाड़े, कबीर पंथी, रैदासी, निरंकारी, नामधारी, निहंग, आर्यसमाज, सिंधी, निम्बार्क, पारसी, धर्मगुरु, बौद्ध, लिंगसायत, रामकृष्ण मिशन, सत्राधिकर जैन, बंजारा समाज, मैतेई, चकमा, गोरखा, खासी, रामनामी आदि प्रमुख परंपराएं महाकुंभ में सम्मिलित दिखी। देश के कोने कोने से पहुंचे लोगों को देखकर यही लगा जैसे महाकुंभ नगर एक तरह से संपूर्ण भारत का गांव, मोहल्ला बन गया है, जो अब तक नहीं जा पाएं है, वे महाजाम में फंसकर तीन-चार दिन भूखे-प्यासे रहकर पहुंचने की कोशिश में लगे है। उनका मन-मष्तिष्क सिर्फ महाकुंभ की ओर है। मतलब साफ है यह महाकुंभ दैवीय अनुभूति व आध्यात्मिक यात्रा में परिवर्तित हो चुका है, जिसका लगाव सिर्फ और सिर्फ सनातन है।

इस महाकुम्भ में सनातन परंपरा को मनाने वाले शैव, शाक्त, वैष्णव, उदासीन, नाथ, कबीरपंथी, रैदासी से लेकर भारशिव, अघोरी, कपालिक सभी पंथ और संप्रदायों के साधु, संत एक साथ मिलकर अपने-अपने रीति-रिवाजों से पूजन-अर्चन और गंगा स्नान कर रहे हैं। संगम तट पर लाखों की संख्या में कल्पवास करने वाले श्रद्धालु देश के कोने-कोने से पहुचे हैं। अलग-अलग जाति, वर्ग, भाषा को बोलने वाले साथ मिलकर महाकुम्भ की परंपराओं का पालन कर रहे हैं। महाकुम्भ में अमीर, गरीब, व्यापारी, अधिकारी सभी तरह के भेदभाव भुलाकर एक साथ एक भाव में संगम में डुबकी लगा रहे हैं। महाकुम्भ और मां गंगा, नर, नारी, किन्नर, शहरी, ग्रामीण, गुजराती, राजस्थानी, कश्मीरी, मलयाली किसी में भेद नहीं करती। अनादि काल से सनातन संस्कृति की समता, एकता कि ये परंपरा प्रयागराज में संगम तट पर महाकुम्भ में अनवरत चलती आ रही है और हर सीमाओं को पार रखे हुए परंपरा से ओत-प्रोत रहते हुए प्रगति को गले लगा एक राष्ट्री की सामूहिक चेतना का संचार किया है। यह महाकुंभ एकता, अखंडता और श्रद्धा के रुप में लोगों के मानस पटल पर युगो-युगो तक अंकित रहेगा। एको अहं, द्वितीयो नास्ति, न भूतो न भविष्यति! अर्थात न ऐसा महाकुंभ कभी हुआ और न भविष्य में हो सकेगा।

यूपी में सस्ती शराब से पीने वालों की होली!

-अजय कुमार

अंग्रेजी शराब के ठेके नए सिरे से होने हैं. इसके लिए ऑनलाइन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है. ऐसे में जिन दुकानदारों के पास ज्यादा स्टॉक है, वो रियायती दरों पर शराब बेचकर अपना स्टॉक क्लियर करने की कोशिशों में लगे हैं.ताकि कोटे की बची शराब से कुछ और कमाई हो जाये। यही वजह थी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिला मुरादाबाद में अंग्रेजी शराब की एक दुकान पर जैसे ही दुकानदार ने शराब के रेटों में भारी छूट का बोर्ड लगाया तो देखते ही देखते वहां भीड़ उमड़ पड़ी. लोग पूरी की पूरी पेटियां खरीदकर ले जाने लगे, हालात ऐसे बन गए कि शराब की दुकान के बाहर लंबी लाइन लग गई और लोग शराब खरीद कर ले जाते मिले.जल्द ही यह नजारा अन्य जिलों में भी देखने को मिल सकता है,जिससे होली के रंग अंग्रेजी के साथ और चटक हो सकते हैं।

बहरहाल,आज भले ही कुछ जगह सस्ती शराब मिल रही हो, लेकिन एक अप्रैल से यूपी में शराब और बीयर पीने वालों को बड़ा झटका लगने वाला है. इन्हें अब अपनी जेब ढ़ीली करनी पड़ेगी. उत्तर प्रदेश में पहली अप्रैल से शराब और बीयर महंगी हो जाएगी. प्रदेश सरकार द्वारा जारी की गई नई आबकारी नीति के तहत लाइसेंस फीस और आबकारी शुल्क में बढ़ोतरी किए जाने की वजह से ऐसा होगा. नया वित्तीय वर्ष शुरू होने पर सभी लाइसेंसी फुटकर दुकानों पर बीयर और देसी तथा अंग्रेजी शराब के दामों में बढ़ोतरी हो जाएगी. नई दरें दो दिन बाद यानी एक अप्रैल से नए वित्तीय वर्ष में लागू हो जाएंगी.

नये दामों की बात की जाये तो पहली अप्रैल से यूपी में बीयर के केन में औसतन 10 रुपये प्रति केन और बोतल पर 20 रुपये प्रति बोतल की मूल्यवृद्धि होगी. एक प्रमुख कंपनी ने तो मार्च के इन अंतिम दिनों में ही अपने दाम बढ़ा दिए हैं. कुछ और अच्छे ब्राण्ड की बीयर के दाम और ज्यादा बढ़ सकते हैं. इसी तरह देसी शराब का 42.8 डिग्री तीव्रता का पउआ पहली अप्रैल से 75 रुपये के बजाए 90 रुपये का होगा. 36 डिग्री तीव्रता का देसी शराब का पउवा 65 रुपये के बजाए 70 रुपये का बिकेगा. अंग्रेजी शराब के पापुलर ब्राण्ड के क्वार्टर, अद्धे व बोतल के दामों में भी बढ़ोतरी होगी. अंग्रेजी शराब के क्वार्टर में 15 से 25 रुपये तक की बढ़ोत्तरी की जाएगी. बता दें कि हाल ही में योगी सरकार की कैबिनेट बैठक में नई आबकारी नीति 2025-26 को मंजूरी दी गई है.अबकी से पुराने कोटेदारों की दुकान का नवीनीकरण नहीं किया जायेगा,बल्कि फिर से लॉटरी के द्वारा शराब की दुकानों की नीलामी होगी। योगी सरकार ने नई आबकारी नीति के जरिए 55 हजार करोड़ रुपये का राजस्व जुटाने का लक्ष्य रखा है. नई आबकारी नीति के तहत मॉल्स, मल्टीप्लेक्स एरिया में प्रीमियम ब्रांड की दुकानें को इजाजत नहीं दी जाएगी. वहीं अंग्रेजी शराब और बीयर की दुकानें लॉटरी सिस्टम से मिलेंगी और कंपोजिट दुकानों को भी लाइसेंस जारी किया जाएगा. जिसमें देशी, विदेशी, बीयर और वाइन एक जगह पर मिल सकेगी. इस बार सरकार ने बियर और शराब का कोटा भी पांच से 10 फीसदी बढ़ाया है इस बार शासन ने देसी मदिरा की दुकानों का कोटा 10 फीसदी बढ़ा दिया है। वहीं, बीयर की दुकान का पांच फीसदी और विदेशी मदिरा की दुकान का पांच फीसदी लाइसेंस शुल्क बढ़ाया गया है। विभाग की ओर से कंपोजिट दुकानें संचालित करने के लिए तैयारियां की जा रही है।

ऑडी ने भारत में पेश की नई ऑडी RS Q8 परफॉर्मेंस

मुंबई। जर्मनी की लग्जरी कार निमार्ता ऑडी ने आज भारत में अपनी हाई-परफॉर्मेंस लग्जरी एसयूवी, ऑडी RS Q8 परफॉर्मेंस के लॉन्च की घोषणा की है। यह एसयूवी दमदार ताकत और बेहतरीन लग्जरी का शानदार मेल है। अपनी जबरदस्त क्षमताओं और आकर्षक डिजाइन के साथ, यह परफॉर्मेंस एसयूवी सेगमेंट में नए मानक स्थापित कर रही है। लॉन्च के अवसर पर ऑडी इंडिया के प्रमुख, श्री बलबीर सिंह ढिल्लन और ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा उपस्थित थे।

भारत में नई ऑडी RS Q8 परफॉर्मेंस की शुरूआती कीमत 2,49,00,000 रूपए (एक्स-शोरूम) रखी गई है। इसके साथ 10 साल की मुफ्त रोड साइड असिस्टेंस का लाभ मिलता है। इसके अलावा, आकर्षक मेंटेनेंस और सर्विस पैकेज भी उपलब्ध हैं। ऑडी इंडिया के प्रमुख, श्री बलबीर सिंह ढिल्लन ने कहा, ऑडी RS Q8 परफॉर्मेंस का लॉन्च भारत में बेहतरीन परफॉर्मेंस कारें लाने की हमारी प्रतिबद्धता का एक अहम पड़ाव है। इसकी दमदार ताकत, शानदान स्टाइल और रोजमर्रा के इस्तेमाल की सहूलियत इसे उन ग्राहकों के लिए खास बनाती है, जो परफॉर्मेंस और लग्जरी के बीच कोई समझौता नहीं करना चाहते। भारत में हमारे फ्ल मॉडल्स को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, जिससे हमें अपने परफॉर्मेंस कार पोर्टफोलियो को और आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिली है। खासकर हमारे युवा ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ रही है और ऑडी RS Q8 खरीदने वालों में लगभग आधे ग्राहक युवा हैं।

शिक्षक ने ऋण वसूली से परेशान होकर अटल सेतु पुल से कूदकर की आत्महत्या

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई में एक शिक्षक ने कथित तौर पर ऋण वसूली से परेशान होकर देश के सबसे लंबे समुद्री पुल अटल सेतु से कूदकर आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

अटल सेतु पुल दक्षिण मुंबई से नवी मुंबई की ओर जाता है। अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के अलीबाग के रहने वाले शिक्षक ने अटल सेतु के न्हावा शेवा छोर के पास उल्वे के निकट आत्महत्या कर ली।

शिक्षक के परिवार ने पुलिस को बताया कि उन्होंने कुछ कर्ज चुकाने के लिए पिछले महीने एक इंस्टेंट लोन ऐप के जरिए पैसे उधार लिए थे। वह 12,000 रुपये का बकाया नहीं चुका पा रहे थे। अधिकारी ने बताया कि जब वह भुगतान नहीं कर पा रहे थे तो ऋण ऐप कंपनी के लिए वसूली करने वाले एजेंट पिछले सप्ताह से उसे फोन कर रहे थे और कथित तौर पर उसे शर्मिंदा करने की धमकी दे रहे थे। उनके परिवार ने पुलिस को बताया कि वसूली करने वाले एजेंट ने उक्त शिक्षक की छेड़छाड़ की गई तस्वीरों को उसके परिचितों और व्हाट्सएप ग्रुप में साझा कर दिया।

शिक्षक प्राथमिक विद्यालय का शिक्षक था। पुलिस के अनुसार, शिक्षक शुक्रवार को कार से अटल सेतु पहुंचा था, जिसके बाद उसने समुद्र में छलांग लगा दी। सीसीटीवी कैमरे में इस घटना की वीडियो कैद होने के बाद पुलिस ने तलाश शुरू की। अधिकारी ने बताया कि शिक्षक का शव अगले दिन न्हावा खाड़ी के पास मिला। उक्त स्थान उस जगह से करीब 12 किलोमीटर दूर है जहां उसने पुल से छलांग लगाई थी।

भिवंडी में दो नाबालिक बच्चों का अपहरण

भिवंडी। भिवंडी शांतीनगर पुलिस स्टेशन अंतर्गत दो नाबालिक बच्चों के अपहरण की धटना से पूरे इलाके में सनसनी फैली हुई है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने दोनों नाबालिक बच्चे के अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार भिवंडी के न्यूआजाद नगर ईलाके में झोपड़पट्टी की एक चाल में रहने वाले सुशील कुमार अर्जुन प्रसाद निषाद की पांच वर्षीय बेटी दृष्टि शुक्रवार सुबह के समय घर के बाहर खेल रही थी। इस दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उसे किसी बहाने से बहलाकर अगवा कर लिया। परिजनों और स्थानीय लोगों ने बच्ची की काफी तलाश की। लेकिन जब वह नहीं मिली तो पिता सुशील निषाद ने शांतीनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।दूसरी घटना टेमघर पाड़ा ईलाके की है। यहां एक चाल में रहने वाली सरोज अमरजीत जायसवाल का ढाई साल का बेटा आयांश शुक्रवार शाम को घर के बाहर खेलते-खेलते अचानक लापता हो गया। परिवार और स्थानीय लोगों ने पूरे इलाके में तलाश की, लेकिन जब आयांश नहीं मिला, तो मां सरोज जायसवाल ने शांतीनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इस मामले में भी अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया है। एक ही दिन में दो मासूम बच्चों के लापता होने की घटनाओं से इलाके में हड़कंप मच गया है। परिजनों के साथ-साथ स्थानीय लोगों में भी चिंता का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने दोनों मामलों की जांच तेज कर दी है और लापता बच्चों की तलाश में टीमें गठित की गई हैं।

ठाणे में रिवॉल्वर के साथ नृत्य करने के आरोपी भाजपा पदाधिकारी पर मामला दर्ज

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक विवाह पूर्व समारोह में नृत्य करते समय रिवॉल्वर लहराने के आरोप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक पदाधिकारी और उसके भाई के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

खड़कपाड़ा पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक डॉ. अमरनाथ वाघमोड़े ने बताया कि नृत्य का वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद पुलिस ने कल्याण में व्यवसायी और भाजपा के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष चिंतामन लोखंडे और उनके भाई के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

पुलिस के अनुसार, लोखंडे ने कल्याण के उम्बर्डे गांव में अपनी बहन की शादी से पहले के समारोह में नाचते समय कथित तौर पर रिवॉल्वर लहराई थी। वीडियो में लोखंडे एक गाने पर नाचते हुए और फिर अचानक रिवॉल्वर निकालकर हवा में लहराते हुए दिखते हैं, जिससे मौके पर मौजूद लोग हैरान रह जाते हैं। अधिकारी ने बताया कि शस्त्र अधिनियम के तहत दर्ज मामले की जांच चल रही है।

महाकुंभ स्नान के लिए निः शुल्क बस सेवा का आयोजन यात्रा में बड़ी संख्या में सम्मलित हुए श्रद्धालु

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदू आस्था को मजबूत करने और सनातन धर्म के प्रचार के उद्देश्य से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रविवार 16 फरवरी को प्रतापगढ़ जिले के पट्टी तहसील आसपुर देवसरा स्थित गधियाँवा ग्राम से महाकुंभ प्रयागराज निःशुल्क बस का लाभ लिया ।

ग्राम गधियाँवा के शुक्लान, ओझान -पडान चौराहा से निकली महाकुंभ स्नान हेतु निःशुल्क बस सेवा प्रयागराज पहुँच श्रद्धालुओं को वीआईपी सुविधा के साथ गंगा में स्नान करवाकर वापस लायी । यह आयोजन वरिष्ठ समाजसेवक दिनेश कुमार पांडेय, पत्रकार व समाजसेवी अविनाश दिनेश पांडेय और

समाजसेवक आलोक पांडेय द्वारा किया गया ।

सभी गधियाँवा व क्षेत्रवासीयों ने इस ऐतिहासिक अवसर का लाभ अपने परिवार के साथ सैकड़ो लोगों ने उठाया । श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आयोजकों ने कई विशेष सुविधा उपलब्ध कराएँ थें ।

इस बीच पत्रकारों से बातचीत करते हुए अविनाश पांडेय ने कहा इस यात्रा का उद्देश्य ग्रामवासियों को 144 वर्ष बाद आए महाकुंभ के मुहूर्त में स्नान का एक अद्भुत और पवित्र सुविधा प्रदान करना हैं । जिससे आम से खास सब महाकुंभ के संगम में आस्था की डुबकी लगा सकें ।

वहीं दिनेश पांडेय ने कहा, ग्रामीण अंचल के जो भी ग्रामीण महाकुंभ के स्नान से वंचित थे उन्हें स्नान कराना हमारा मुख्य उद्देश्य था ।जो बड़ी ही सुविधा जनक तरीके से सफल हो गया ।हम आगे भी ऐसे आयोजन ईश्वर की ईच्छा अनुसार करते रहेंगे ।

लाडकी बहिन योजना से कोई अन्य योजना प्रभावित नहीं हो रही : चंद्रशेखर बावनकुले

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने रविवार को कहा कि प्रत्येक कल्याणकारी योजना के लिए अलग-अलग बजटीय प्रावधान किए गए हैं और मुख्यमंत्री मांझी लाडकी बहिन योजना से कोई भी अन्य योजना प्रभावित नहीं हुई है।

भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष ने एक सवाल के जवाब में कहा, हमारी सरकार ने हर योजना के लिए अलग से बजट आवंटित किया है। लाडकी बहिन योजना के लिए अलग से बजट है। उन्होंने कहा, इसी तरह, कृषि फसल बीमा के लिए अलग से बजट है और कुछ लोग लाडकी बहिन योजना को लेकर भ्रम पैदा कर रहे हैं। लाडकी बहन योजना के तहत 21-65 आयु वर्ग की उन महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह सहायता राशि दी जाती है, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 2.5 लाख रुपये से कम है।

रिक्शा, टैक्सी चालकों, ट्रैफिक पुलिस, बस चालकों को छाछ बांटकर मनाया गया अनोखे अंदाज में जन्मदिन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राजारामबापु पाटिल दुग्ध संघ के सर्वेसर्वा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री जयंतराव पाटिल के जन्मदिन के अवसर पर मुंबई शाखा की ओर से दिन रात लोगों की सेवा करने वालों को छाछ बांटकर अनोख तरीके से जन्मदिन मनाया जाता। बता दें कि युवा समाजसेवक राजेंद्र नगराले की संकल्पना पर विभिन्न लोक सेवकों जैसे रिक्शा चालक, बस चालक, यातायात और मुंबई पुलिस, चौबीसों घंटे लोगों की सेवा करने वाले अस्पताल परिचारकों को कृष्णा छाछ वितरित करके जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर मुंबई शाखा के राजेंद्र नगराले और राहुल अलगुडे, सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद केंजले, अजय खवले और अन्य उपस्थित थे। सामाजिक रूप से जागरूक होकर राजारामबापु पाटिल दुग्ध संघ की मुंबई शाखा ने अपना जन्मदिन इतने अनोखे तरीके से मनाया है और इसकी सभी क्षेत्रों से सराहना हो रही है।

महंगाई और बेरोजगारी को लेकर राष्ट्रवादी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया का रास्ता रोको आंदोलन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया ने कुर्ला चेंबूर सिग्नल के पास गत दिनों जोरदार मोर्चा निकलकर आंदोलन किया।. इस दौरान पक्षाध्यक्ष नामदेव साबले ने कहा कि लोगों को हिंदू, मुसलमान, मंदिर, मस्जिद की लड़ाई में न फंसकर अपने शिक्षा रोजगार विकास के मुद्दे की बात सोचनी चाहिए। यह सरकार बातूनी है, सिर्फ झूठे वादे करती है। धरातल पर विकास दिखाई नही देता। राष्ट्रवादी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के ज्यादा नगरसेवक चुनकर आएं इस हौसले के साथ पार्टी काम कर रही है। भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के आदर्शों को जीवन में अपनाएं और अपने आचरण एवं संस्कारों में उनके सिद्धांतों एवं कार्यों

को स्थान दें। क्योंकि जब तक समाज शिक्षित नहीं होगा तब तक देश विकसित नहीं होगा। दलित समाज, पिछड़े वर्ग, शोषित, पीड़ितों के लोगों का सम्मान बाबासाहेब की वजह से ही बढ़ा है। रिपाई का मिशन है मुंबई के स्लम क्षेत्रों के शौचालय साफ-सुथरे हो, लोगों को शुद्ध पानी पीने को मिले, खेलकूद का मैदान हो, गटर नाले साफ हों, गलियों के गंदे पानी की निकासी सही तरीके से हो, क्षेत्र में आरोग्य केंद्र हों. देश में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। सरकार इस देश की जनता को आर्थिक रूप से कमजोर करने का काम कर रही है। सरकार द्वारा प्रतिदिन रोजमर्रा के काम में आने वाली वस्तुओं के दाम को बढ़ाने से आम जन त्रस्त हो रही है। महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। मनपा चुनाव में हमें सफलता जरूर मिलेगी।

डा.बाबासाहेब की विचारधारा को यह दल आगे बढ़ा रहा हैं, जिसका प्रतिसाद हमें खूब मिल रहा है और आगे भी मिलेगा। लगातार हमारी पार्टी मुंबई-महाराष्ट्र में मजबूत हो रही है। कार्यक्रम का आयोजन महाराष्ट्र प्रदेश प्रवक्ता विजय क्षीरसागर ने किया। आंदोलन में प्रमुख रूप से महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष मुरलीधर गायकवाड, महाराष्ट्र प्रदेश संपर्क प्रमुख अजय ठोंबे, मुंबई प्रदेश महिला आघाडी की अध्यक्षा ज्योति क्षीर सागर सहित भारी संख्या में लोग इस आंदोलन में शामिल हुए।

कन्याकुमारी से दिल्ली तक आयोजित श्रमिक सम्मान यात्रा के चारोटी पहुंचने पर हुआ स्वागत

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को समस्याओं का समाधान करने हेतु कन्या कुमारी से दिल्ली तक श्रमिकों सम्मान यात्रा की शुरूआत 25 जनवरी 2025 को की गई। श्रमिक सम्मान यात्रा 15 फरवरी को पालघर जिले के कासा थाना क्षेत्र अंतर्गत चारोटी पहुंची। चारोटी में कष्टकरी संघटना के सैकड़ों कार्यकताओं ने श्रमिक सम्मान यात्रा में शामिल सभी लोगों भव्य स्वागत किया इस दौरान चारोटी से कासा तक श्गर्व से कहो, हम मजदूर हैं, देश बनाने वाले हम ही हैं, श्रम की चोरी बंद करो, कहां रोजगार कहां हम, मजुरी सुद्धा कमी कमी, पेन्शन प्राप्त करने का हमारा अधिकार है। इत्यादि नारों का उदघोष करते हुए रैली निकाली गई। उक्त रैली कासा पहुंचने पर एक सभा में तब्दील हो गई। इस सभा दौरान राजू भीसे, ब्रायन लोबो, स्मिता ताई, किरण ताई, संतोष भाऊ आदि ने उपस्थित जनों को संबोधित किया। सभा का सूत्र संचालन सुनील मलावकर द्वारा किया गया।

कविताओं के महाकुंभ में श्रीताओं ने लगाई डुबकी

लातूर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब ऑफ लातूर सिटी द्वारा लातूर के दयानंद कालेज स्थित सभागार में एक अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुंबई के हास्य सम्राट सुरेश मिश्र के धमाकेदार संचालन में दमोह मध्यप्रदेश से पधारीं डाक्टर काव्या मिश्रा ने सरस्वती वंदना करके कवि सम्मेलन का आगाज किया। अमरावती के मनोज मद्रासी ने कवि सम्मेलन की शानदार ओपनिंग की। इटावा से आए ओज रस के राम भदावर ने अपने राष्ट्र भक्ति के गीतों से श्रोताओं के रोंगटे खड़े कर दिए। धार मध्यप्रदेश के हास्य कवि संदीप शर्मा ने खूब तालियां बटोरीं।यावतमाल के कपिल जैन ने अपनी छोटी-छोटी टिप्पणियों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। काव्या

मिश्रा की बेटी कविता को खूब दाद मिली।

अंत में कवि सम्मेलन में शिखर कलश रखा हास्य सम्राट सुरेश मिश्र ने। उन्होंने अपनी कविताओं और पैरोडियों से श्रोताओं को लोट पोट कर दिया। इससे पूर्व लायंस क्लब के अध्यक्ष नागनाथ गीत्ते, प्रोजेक्ट प्रमुख ला. राधेश्याम धुत व लायंस जगदीश हड्डा, ईश्वर प्रसाद चांडक, योगेश शिंदे,ने आगंतुक मेहमानों का शॉल, पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स की श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के साथ साझेदारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की रफ्तार बढ़ाने के लिए गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत भारतभर में ग्राहकों को खास फाइनेंसिंग सुविधाएं दी जाएंगी। इस पहल का मकसद गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स के सभी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर वाहनों, जिनमें कम और ज्यादा गति वाले इलेक्ट्रिक वाहन (EV - L3 और L5) शामिल हैं, के लिए आसान फाइनेंसिंग विकल्प उपलब्ध कराना है। यह सुविधा श्श्रीराम ग्रीन फाइनेंसश्श पहल के तहत दी जाएगी।

इस समझौते के तहत श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड, गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स की प्रमुख फाइनेंसिंग पार्टनर होगी। यह साझेदारी ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना आसान और किफायती बनाएगी। यह फाइनेंसिंग सुविधा पूरे देश में उपलब्ध होगी, जिससे लोग आसान शर्तों और कम प्रोसेसिंग शुल्क के साथ आकर्षक लोन ऑफर्स का लाभ उठा सकेंगे।

गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स के सीईओ, श्री हैदर खान ने कहा, श्हम

श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के साथ इस महत्वपूर्ण साझेदारी को लेकर उत्साहित हैं।

इससे हमारे ग्राहकों को उनके बजट के अनुसार सुविधाजनक और लचीले फाइनेंसिंग विकल्प मिलेंगे। हमारा लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को पर्यावरण के अनुकूल इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर आकर्षित करना है। इस पहल के तहत, ग्राहक बिना किसी अतिरिक्त बोझ के उच्च-गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रिक वाहन आसानी से खरीद सकेंगे। हमें विश्वास है कि श्रीराम फाइनेंस के सहयोग से देशभर में अधिक लोग ई-मोबिलिटी को अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। इस फाइनेंसिंग सुविधा के तहत ग्राहकों को किफायती ब्याज दरों, लंबी लोन अवधि और आसान आवेदन प्रक्रिया जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड आकर्षक फाइनेंसिंग विकल्प प्रदान करेगा, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री को बढ़ावा मिलेगा। यह विशेष रूप से उन ग्राहकों के लिए फायदेमंद होगा, जो गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर, थ्री-व्हीलर और छ3 तथा छ5 कैटेगरी के वाहन खरीदना चाहते हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

विद्वानों को हर दौर में मिला है सम्मान: मौलाना तारिक कासमी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के बदंदोपुर गांव स्थित मदर आयशा चिल्ड्रेन स्कूल की स्थापना दिवस के अवसर पर रजश्न-ए-आयशाश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों और छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक और पारंपरिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा और नगद इनाम देकर बच्चों का हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद फैजी ने किया। जबकि अध्यक्षता मौलाना यासिर ने की। कार्यक्रम की शुरूआत जियान कलीम द्वारा कुरान की तिलावत से हुई। इसके बाद इलमा सुहैल और कारी आमिर ने नात शरीफ पेश की। छात्राओं के अलग-अलग समूहों ने विभिन्न भाषाओं में भाषण देकर दर्शकों को प्रभावित किया।

हनुद आतिफ ने अपने भाषण में कहा कि जब अल्लाह खुश होता है तो इंसान को बेटी का उपहार स्वरूप देता है और इस्लाम में बेटियों की परवरिश पर बहुत बड़े इनाम की बात कही गई है। सुमबल रजीउद्दीन ने कहा कि ज्ञान ही इंसान कोऊँचाई तक पहुंचाता है इसलिए हमें अपनी शिक्षा के लिए ठोस रणनीति बनानी होगी। अरिजा नौशाद ने इस्लाम को शांति और अमन का धर्म बताते हुए कहा कि इसमें माता-पिता सहित हर व्यक्ति के अधिकारों की अदायगी पर जोर दिया गया है। इसके अलावा, सारा हारून और अन्य छात्राओं ने विभिन्न भाषाओं में अपने विचार व्यक्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मौलाना तारिक कासमी ने कहा कि इस्लाम में पहला आदेश पढ़ने के लिए आया है। ज्ञान इंसान की सबसे बड़ी जरूरत है। जिन समाजों ने शिक्षा के महत्व को समझा, वे तरक्की के ऊँचे मुकाम तक पहुँचे। इतिहास गवाह है कि हर दौर में विद्वानों को सम्मान मिला है, जिसे हम आज भी अपनी आँखों से देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को शिक्षित करने का संकल्प लेना चाहिए। मौलाना तारिक कासमी ने कहा कि कुछ लोग सिर्फ बच्चों को स्कूल भेजकर या फीस भरकर यह समझते हैं कि उनकी जिम्मेदारी पूरी हो गई। लेकिन यह उनकी गलतफहमी है। स्कूल के साथ-साथ घर में भी बच्चों की निगरानी और उचित परवरिश माता-पिता की जिम्मेदारी है अंत में, मौलाना हसासामुद्दीन की दुआ के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ। इस अवसर पर मोहम्मद सलमान, इलियास अहमद, जिशान अहमद, अहमद, मुस्तकीम अहमद, मोहम्मद सुफयान, मोहम्मद नईम सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रबंधक मौलाना मोहम्मद अहमद ने सभी मेहमानों का धन्यवाद किया।

पीयू के पूर्व छात्र बने सन्यासी, कुंभ में कर रहे हैं प्रवचन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पूर्वांचल विश्वविद्यालय से जनसंचार में मास्टर डिग्री और वकालत की पढ़ाई करने वाले मनीष पांडेय ने सांसारिक जीवन को त्यागकर संन्यास का मार्ग अपना लिया है। कभी अखबारों के ब्यूरो प्रमुख रहे मनीष अब श्री श्री 1008 श्री दंडीस्वामी मनीष आश्रम जी महाराज के नाम से विख्यात हैं और वामन विष्णु मठ, सीखड़ मिजार्पुर के महंत हैं। कुंभ मेले में अपने शिविर में उपदेश देते हुए उन्होंने कहा, रनारायण नाम का जाप ही सत्य है।यह संसार मात्र एक स्वप्न है।र मनीष पांडेय का सफर प्रेरणादायक है—जनसंचार और वकालत जैसे आधुनिक पेशों से लेकर संन्यास और आध्यात्मिक मार्गदर्शन तक की यात्रा ने उन्हें अनूठी पहचान दिलाई है। उनका मानना है, रउमा कहहुँ मै अनुभव अपना, सत हरि भजन जगत सब सपना।र उनकी यह आध्यात्मिक यात्रा समाज के लिए शांति और भक्ति का संदेश लेकर आई है। बतादें कि स्वामी मनीष आश्रम जी महाराज ने दंडी संन्यासी परम्परा से हैं जो कि दशनामी नागा सन्यासी सन्यासियों मे से एक है। यही दंडी सन्यासी स्वाध्याय करते करते जब ज्ञानवान हो जाता है तो शास्तरार्थ करके शंकराचार्य की घोषणा कर उपाधि प्राप्त करता है। स्वामीजी ने व्यावसायिक शिक्षा के रूप में एमजेएमसी (मास्टर इन जर्नलिस्म एण्ड मास कम्युनिकेशन) और वकालत जैसे डिग्रियां हासिल कर प्रैक्टिस किया और सफलता हासिल कर अपने कनिष्ठ अधिवक्ताओं को सौप दिया। मीरजापुर कचहरी स्थित उनके चैम्बर पर आज भी उनके जूनियर कार्यरत हैं। स्वामी जी की पूर्व की स्नातक शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से दर्शन शास्त्र प्राचीन इतिहास और हिन्दी साहित्य से हुआ है। बहुमुखी प्रतिभा के धनी स्वामी जी इंटरमीडिएट तक विज्ञान के छात्र रहे। सन्यास पश्चात स्वामी जी का ज्यादातर समय हिमालय और काशी में व्यतीत होता रहा। स्वामीजी के व्यक्तित्व से प्रभावित होकर दण्डी सन्यासी प्रबन्धन समिति द्वारा सीखड स्थित दण्डी सन्यासी मठ पर पीठाधीश्वर रूप मे महन्त नियुक्त किया गया। जहां रहकर स्वामी जी मठ का संचालन प्रवीणता से करते रहे हैं। स्वामी जी का जीवन व्यसनहीन (नशामुक्त) रहा। चौबीस घंटे मे एक बार ही भोजन भिक्षा ग्रहण करते हैं। पालनहार नारायण पर और दण्ड सन्यास परम्परा पर इतना विश्वास करते हैं कि अपने हाथ से भोजन नहीं बनाते हैं। इस बारे में उनका कहना है कि ऊपरवाला भूखा उठाता होगा लेकिन भूखा सुलाता नहीं है, बच्चे के जन्म लेने से पूर्व ही जननी को स्तन बनाया है और जन्म के समय मां के स्तन मे दूध का प्रवाह होने लगता है।

गांव के नौजवानों में काबिलियत की कोई कमी नहीं: बिलाल जावेद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के मनेछा गाँव में रश्रोल आउट क्रिकेट टूनार्मेंट मनेछा कप सीजन 2र का आयोजन किया गया, जिसमें जिले और अन्य जिलों की दर्जनभर से अधिक टीमों ने भाग लिया और अपने खेल का प्रदर्शन किया। टूनार्मेंट का उद्घाटन सामाजिक कार्यकर्ता बिलाल जावेद (आयर मानीस) ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम से पहले मुख्य अतिथि का माल्यार्पण किया गया जिसके बाद युवाओं ने खिलाड़ियों का परिचय मुख्य अतिथि से करवाया। पहला मैच खेतासराय और शाहगंज के बीच खेला गया। खेतासराय की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और छह ओवर में 36 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में शाहगंज की टीम छह विकेट के नुकसान पर सिर्फ 27 रन ही बना सकी, जिससे खेतासराय की टीम विजेता घोषित हुई। इस मौके पर बिलाल जावेद ने कहा कि खेल-कूद से न केवल शारीरिक मजबूती मिलती है। बल्कि इससे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी बनती है। जो खिलाड़ी आगे बढ़ते हैं, वे हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बनते हैं। उन्होंने खुशी जताई कि गाँव के युवा शिक्षा के साथ-साथ खेल पर भी ध्यान दे रहे हैं और अपनी प्रतिभा से लोगों का दिल जीत रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर

इन युवाओं को लगातार हौसला मिलता रहे तो वे न सिर्फ अपने क्षेत्र में, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी नाम रोशन कर सकते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि इस क्षेत्र के युवाओं में काबिलियत की कोई कमी नहीं है। उन्होंने इस तरह के आयोजनों की सराहना करते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिताओं से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उनकी छिपी हुई प्रतिभा निखरकर सामने आती है। उन्होंने सरकार द्वारा ग्रामीण इलाकों में मिनी स्टेडियम बनाए जाने की पहल की सराहना की और कहा कि इससे गाँव के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक बड़ा मंच मिलेगा। युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, आप सभी देश के भविष्य हैं। इसलिए पढ़ाई पर भी पूरा ध्यान दें। क्योंकि शिक्षा के बिना इंसान अधूरा होता है। ज्ञान एक रोशनी की तरह है। जो अज्ञानता के अंधकार को दूर करता है। शिक्षित व्यक्ति न केवल खुद का, बल्कि समाज का भी भला करता है। उन्होंने माता-पिता से अपील की कि वे अपने बच्चों की रुचि को समझें और अगर वे खेल में रुचि रखते हैं तो अपनी क्षमता के अनुसार उन्हें अवसर प्रदान करें। मैच में अंपायर की भूमिका अब्दुर्रहमान और आरिज ने निभाई, जबकि कमेंट्री का जिम्मा फरीदीन खान और तालिब सिद्दीकी ने संभाला। इस अवसर पर मुहम्मद सकलैन, सलमान, लुकमान अहमद, साकिब, शहमा, नुमान, अब्दुल्ला, समीउल्लाह, शाकिर, अदनान, ला रैब आदि विशेष रूप से मौजूद रहे।

जैविक किसान मेले में उमड़ी भारी भीड़

गोवंश आधारित जैविक खेती करने हेतु किसानों को किया जागरूक

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बड़ागांव में किसानों को जैविक खेती के बारे में जागरूक करने हेतु बड़ागांव विकास खंड क्षेत्र के बरजी गांव में सोमवार को नमामि गंगे योजना के अंतर्गत बायो शर्ट इंटरनेशनल एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित जैविक किसान मेला में आए हुए किसानों को जैविक खेती करने तथा उससे होने वाले फायदा के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत प्रोजेक्ट मैनेजर अभिषेक सिंह तथा संदीप तेवतिया ने पुष्प गुच्छ व अंगवस्त्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर उनको सम्मानित किया। जैविक किसान मेला में जनपद के सभी विकास खण्डों में एफपीओ से जुड़े कलस्टरों के जैविक उत्पादों (काशी जैविक उत्पाद) का स्टाल लगाया गया जो आकर्षण का केंद्र रहा जिसका अतिथियों ने अवलोकन कर काफी सराहना किया। किसानों को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता कृषि विशेषज्ञ आनंद प्रकाश सिंह तथा प्रवीण कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आज समाज में हो रहे गंभीर बीमारियो से निजात पाने तथा स्वस्थ रहने के लिए किसानों को अब जैविक खेती को अपनाना होगा। किसानों को संबोधित करते हुए संदीप तेवतिया व अर्पित सिंह ने किसानों को देसी

गाय पालन तथा मिट्टी में जीवांश बढ़ाने, गो मूत्र व गोबर गुड़, चने का बेसन, जीवांश युक्त मिट्टी को मिलाकर जीवामृत घोल का प्रयोग, लाइन में फसलों की बुवाई करने, मिलवा खेती करने, बीज शोधन के लिए ट्राइकोडरमा का प्रयोग, देशी बीज का प्रयोग करने हेतु विस्तार पूर्वक से जानकारी दिया। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोजेक्ट संयोजक अर्पित सिंह ने की। इस दौरान मुख्य रूप से ग्राम प्रधान चंद्रशेखर सरोज, राजबली यादव, राजनाथ यादव, भीम पहलवान सहित क्षेत्र के सैकड़ो किसान उपस्थित रहे।

शुभम सिंह को जिलाध्यक्ष एवं शोएब पठान को नगर अध्यक्ष पीआरजेपी की कमान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के शुभम सिंह को पूर्वांचल राज्य जनांदोलन पार्टी (भारत निर्वाचन आयोग पंजीकृत क्षेत्रीय राजनैतिक दल) का जिलाध्यक्ष एवं शोएब पठान को नगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है शुभम सिंह एवं शोएब पठान के मनोनयन से पीडुआरडुजेडुपी को ताकत मिलेगी। शुभम सिंह एवं शोएब पठान तमाम सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए हैं शुभम सिंह एवं शोएब पठान का युवाओं में एक अच्छी पैठ होने के नाते उन्हें महत्वपूर्ण दायित्व दिया गया है पूर्वांचल राज्य जनांदोलन पार्टी से जुड़ने से संगठन को मजबूती मिलेगी जिसको देखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुज राही हिन्दुस्तानी एवं राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव संगठन आबिश इमाम ने उनको ये दायित्व दिया है साथ ही साथ जनपद में संगठन गठित करने की भी जिम्मेदारी दी है शुभम सिंह एवं शोएब पठान के मनोनयन से जनपद में संगठन को मजबूती मिलेगी दोनों लोगों के मनोनयन से पूर्वांचल राज्य जनांदोलन की राष्ट्रीय महासचिव वंदना रघुवंशी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजेश पांडेय, शक्ति सिंह, प्रोफेसर विनोद सिंह, शम्मी नारंग, गिरिजेश तिवारी, प्रोफेसर विनोद सिंह इत्यादि ने हर्ष जाहिर किया।

रानी की सराय में डिवाइडर से टकराई कार, पति-पत्नी सहित तीन श्रद्धालुओं की मौत, सात घायल

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। रानी की सराय थाना क्षेत्र के आजमगढ़-वाराणसी राजमार्ग पर महाकुंभ से वापस आ रहे नेपाल देश के श्रद्धालुओं की एक कार सोमवार की सुबह डिवाइडर में टकरा गई। हादसे में पति-पत्नी सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, यह सभी नेपाल देश के रूपम देही जिले के देवदार नगर पालिका के निवासी थे। बीते 15 फरवरी को नेपाल से पांच कार में सवार होकर 35 लोग एक साथ प्रयागराज में स्नान करने गए थे। स्नान करके सोमवार को लौट रहे थे। लौटते समय जब नींद लगने लगी तो इन लोगों ने एक जगह रुक कर चाय पी और इसके बाद आगे के सफर पर निकले। अभी कुछ दूर ही पहुंचे थे कि यह हादसा हो गया। मृतकों में दीपा (35), दीपा के पति गणेश (45) और गंगा (40) शामिल हैं। वहीं, घायलों में ड्राइवर ऋतिक दुबे (21), कोपिला देवकला देवी (35), अविशंकर (25), शुभम पोखराल (22) व अन्य शामिल हैं। सभी घायलों को गोरखपुर चिकित्सालय रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, सफर के दौरान चालक को झपकी आ गई थी। इससे दो कारें आपस में लड़कर डिवाइडर से टकरा गईं थीं।

अब्दुर्रहमान शेख ने हासिल की एम.सी.ए की डिग्री

परिजनों में हर्ष का माहौल, जनपद और गांव मानीकलां का नाम किया रोशन

आफताब आलम

मानीकलां,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोंधी शाहगंज क्षेत्र मानीकलां निवासी अब्दुर्रहमान शेख पुत्र इमरान अहमद ने परिजनो का नाम किया रोशन।जब से एम.सी.ए.की डिग्री हासिल हुई है।तब से ग्राम वासियों दोस्तो का बधाई देने का सिलसिले जारी है। अब्दुर्रहमान शेख जनपद जौनपुर के सबसे बड़ी आबादी वाला गांव मानीकलां के मूल निवासी है।इनकी प्राथमिक शिक्षा वह हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की शिक्षा महर्षि दयानन्द इंटर कालेज मानीकलां से हुई थी।इसके बाद इनका एडमिशन पूर्वांचल यूनिवर्सिटी जौनपुर में बी.सी ए. में हुआ वहां से बी.सी.ए.की पढ़ाई की लेकिन अब्दुर्रहमान के दिमाग में था कि मैं एम.सी.ए.की डिग्री हासिल करूं इसके बाद इनका एडमिशन इंटीग्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ में हुआ और अब्दुर्रहमान अपने लक्ष्य को हासिल कर लिया। मानीकलां से निकल कर लखनऊ तक का सफर किया शिक्षा का कोई अंत नहीं होता है।सिर्फ आपके अंदर प्रतिभा होनी चाहिए क्या शहर क्या गांव बस हौसले बुलंद होना चाहिए।इसी कड़ी में एक नाम आता है अब्दुर्रहमान का।इसका श्रेय वे अपने माता-पिता और गुरु को देना चाहते हैं क्योंकि पढ़ाई के वातावरण के बिना और सही मार्गदर्शन के सफल होना एक कठिनाई भरा मार्ग होता है जिसे पूरा करने में मेरे परिवार वालों ने हमेशा सहयोग दिया इस दिशा में आगे बढ़ते समय ऐसे भी लोग सामने आए जिन्होंने अपने नेतृत्व में मेरे संघर्ष की यात्रा में योगदान दिया अब्दुर्रहमान ने कहा कि सफल होने के लिए मार्ग कर चयन यह सोचकर ना करें कि इस पर सब चले हैं बल्कि यह सोचकर करें कि किस मार्ग पर चलकर सब सफल हुए हैं पढ़ाई सभी करते हैं लेकिन शाही दिशा में और सही मार्गदर्शन के बिना कितनी भी पढ़ाई करले सफल नहीं हो सकते इसलिए अपने गुरु और सफल लोगों से सीख लेकर उसका अनुसरण करें ताकि आपकी सफलता की यात्रा कम समय में मंजिल तक पहुंचा दें और आप कहीं भटके बिना अपने लक्ष्य को समय पर हासिल कर ले। जब उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक मानीकला के संवाददाता ने दूर संचार पर परिजनों से बात किया तो परिजनों का कहना था कि अब्दुर्रहमान अपने बुलंद इरादों से आज बुलंदी पर पहुंच गया है। अब्दुर्रहमान शुरू से ही पढ़ने में बहुत मेहनती था। अब्दुर्रहमान के पिता के मन में अपने बच्चों को पढ़ने की एक लगन थी हमेशा बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित करते रहते थे।

> हौसले के दम पर ही सफलता हासिल की जा सकती है जब आपके पास शिक्षा होगी तो दुनियां आपके कदम चूमेगी।

फास्टफूड से सेहत पर होता है बुरा असर, नियमित करें व्यायाम: डॉ.ज्ञानचंद चित्रवंशी

विशाल सोनी

श्री वेदांता हॉस्पिटल के दो वर्ष पूरे होने पर लगा निशुल्क चिकित्सा शिविर

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के दादर बाईपास पर स्थित श्री वेदांता हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेंटर के दो वर्ष पूरे होने पर हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर ज्ञानचन्द्र चित्रवंशी की देख रेख में निशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन किया जिसमें सभी प्रकार के जांच जैसे ईसीजी, टीएफटी, अल्ट्रासाउंड, एक्सरे, गठिया सहित दर्जनों जांचों को निःशुल्क किया गया।जिसमें मरीजों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और सभी ने निःशुल्क जाँच और परामर्श लिया। चिकित्सा शिविर में जाने माने हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर ज्ञानचंद चित्रवंशी ने बताया की आज कल खान पान और नियमित व्यायाम न करना लोगों में बीमारी का एक प्रमुख कारण बन रहा है।एक सवाल के जवाब में डाक्टर श्री चित्रवंशी ने कहा की फास्टफूड नही लेना चाहिए और बराबर मेहनत का काम करना चाहिए।उन्होंने कहा की हृदय से सम्बंधित इमरजेंसी केस में ईको इस्प्रीन, एवं आइसाडील तत्काल पेशेंट को खिला देना चाहिए।और पेशेंट को आराम करना चाहिए।गैस समझ कर अपने आप से कोई दवा न ले।थोड़ा आराम होने पर अपने नजदीकी अस्पताल में जाकर किसी विशेषज्ञ चिकित्सक को दिखाना चाहिए। चिकित्सा शिविर में सैकड़ो मरीजों का निःशुल्क जांच और परामर्श दिया गया। बतातें चले डाक्टर ज्ञानचंद चित्रवंशी चालीस वर्षो से चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वहीं शिविर में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सुधाँसू चित्रवंशी ने लोगों में बढ़ती गठिया रोग की समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा की लोगों के खराब दिनचर्या के कारण ऐसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। जिसका मुख्य कारण खान पान मे प्रोटीन रिस्ट टाइट सेवन, तेल मशाले के अधिक सेवन से गठिया का रोग चालू हो जाता है। जिससे

जोड़ो और हड्डियों में जाम शुरू हो जाता है। जिससे मरीज दर्द की दवा खाता है और आराम हो जाता है लेकिन फिर दर्द शुरू हो जाता है। और पूरी तरह से इलाज नही हो पाता है और बुढापे में जाते जाते हड्डियां इतनी घिस जाती है कि घुटने या कुल्हे का आपेरेशन करना पर जाता है।उन्होंने इस रोग से बचाव बताते हुए कहा कि नियमित व्यायाम,फिजियोथेरेपी अधिक से अधिक चलना फिरना मांसपेशियों का अधिक वर्क में लाना जिससे हड्डियां मजबूत हों और गठिया का समस्या होने की समस्या ही नही आएगी।आगे डाक्टर सुशांसू ने कहा की लोगों को अपने दिनचर्या में कम से कम एक घण्टा अपने शरीर के लिए अवश्य निकाले। बताते चले श्री वेदांता हॉस्पिटल में आयुष्मान योजना के अंतर्गत सभी प्रकार के मरीजों का निःशुल्क इलाज भी किया जाता है। जनपद में तेजी से उभरते युवा हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर हिमांशु चित्रवंशी ने बातचीत के दौरान बताया की लोग सोचते है चालीस पचास वर्ष के हो जाएंगे तो हो सकता है हृदय से सम्बंधित समस्या आएंगी मगर ऐसा नही है।लोगों का लाइफ स्टाईल बदलने से ऐसी समस्याएं कम उम्र के नौजवानों में हृदय रोग के मरीजों की संख्या बढ़ रही है।उन्होंने इस तरह के बीमारियों से बचने के लिए सुझाव देते हुए कहा की लोग टेंशन न लें,चौबीस घण्टे में आठ घण्टे की नींद अवश्य लें।रात का भोजन सात से आठ के भोजन जरूर कर लें।जितना लेट भोजन होगा उतना दिक्कत बढ़ने की संभावना बनी रहती है।उन्होंने आगे कहा की रात के भोजन के बाद कमसे कम एक किलो मीटर जरूर टहलें।मैदा और चावल का सेवन न के बराबर करें।कोशिश करें रात के भोजन में चावल का सेवन बिल्कुल न करें। उक्त मौके पर दिलीप प्रजापति, सूर्यकांत त्रिपाठी, लईक अहमद, अंकेश यादव, आशीर्वाद सुशील यादव, देवब्रत, डाली, अंजू, रिया, कोमल, संजना सहित नगर एवं आसपास के दर्जनों गणमान्य उपस्थित रहे।

अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिला सेवायोजन कार्यालय जौनपुर द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को लिपिकीय स्तरीय प्रतियोगिता सम्बन्धित एक वर्षीय 'कार्यालय प्रबन्ध' का प्रशिक्षण निःशुल्क दिया जा रहा है। प्रशिक्षण हेतु शैक्षिक योग्यता न्यूनतम इण्टरमीडिएट है। अर्ह अभ्यर्थियों की आयुसीमा 01 अप्रैल 2025 को 18 से 35 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। प्रशिक्षण हेतु सम्मिलित विषयः- सामान्य ज्ञान, सामान्य अंग्रेजी, सामान्य हिन्दी, सामान्य गणित, सचिवीय पद्धति, बुक कीपिंग एण्ड ऐकाउन्टेन्सी, हिन्दी टंकण एवं हिन्दी आशुलिपि (स्टेनो) तथा कम्प्यूटर शिक्षा प्रमुख हैं। उक्त वर्ग के अर्ह अभ्यर्थियों का आवेदन पत्र 26 मार्च 2025 तक जमा किया जा सकता है। साक्षात्कार 27 व 28 मार्च 2025 को प्रातः 10 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय, जौनपुर में होगा। प्रशिक्षण सम्बन्धी समस्त जानकारी हेतु अभ्यर्थी किसी भी कार्य दिवस में जिला सेवायोजन कार्यालय, जौनपुर से सम्पर्क कर सकते हैं।

खड़ी ट्रक में घुसी स्कूटी, युवक की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के ख्वाजगी टोला सिपाह सतीश सेठ का पुत्र राम प्रताप सेठ उर्फ राज 24 वर्ष आज सोमवार दोपहर लगभग 1:00 बजे सगाई के कार्यक्रम से स्कूटी से अपने घर को लौट रहा था कि रास्ते में लाइन बाजार थाना क्षेत्र के विशेषरपुर चौराहे के पास खडी ट्रक में जाकर भीड गया जिसमें उसकी मौके पर मौत हो गई सुचना मिलते ही मौके पर पहुची लाइन बाजार पुलिस ने एम्बुलेंस द्वार जिला अस्पताल लाया जहां पर डॉक्टर ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया पुलिस ने लाश को कब्जे मे लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया।

एनडीपीएस एक्ट में एक माह की सजा और अर्थ दंड

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश (त्वरित न्यायालय), द्वितीय जौनपुर द्वारा धारा-21/22 एनडीपीएस एक्ट के आरोपी अभियुक्त मुनीब राम उर्फ मुन्ना को एक माह के कठोर कारावास की सजा व 15,00/- रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया,थाना चंदवक पर पंजीकृत मु0अ0सं0-312/01 धारा- 21/22 एनडीपीएस एक्ट के आरोपी मुनीब राम उर्फ मुन्ना पुत्र बंशीलाल निवासी गौरहट थाना खानपुर जनपद गाजीपुर को धारा उपरोक्त में दोषसिद्ध करते हुए एक माह के कठोर कारावास की सजा व 15,00/- रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

मुख्यमंत्री योगी ने बरसाया कार्यकर्ता रामसिंह पर अपना प्रेम, पहुंच गए भतीजी की शादी में देने आशीर्वाद

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के संजय नगर कॉलोनी निवासी राम सिंह एवं संजय सिंह(झब्बर) की भतीजी हेमा के विवाहोत्सव में मुख्यमंत्री योगी नें बरसाया कार्यकर्ता रामसिंह पर अपना प्रेम, पहुंच गए वाराणसी स्थित कलिका धाम लॉन में भतीजी की शादी में दिया आशीर्वाद! संजय सिंह (झब्बर) एवं छोटे भाई राम सिंह मन्त्री सारनाथ मण्डल भाजपा नें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी एवम सभी सम्मानित जनों को हृदय से जताया आभार। आप सब के शुभ आशीष से बिटिया का आने वाला पल सुखमय व समृद्धि से परिपूर्ण होगा, ऐसी ईश्वर से कामना हैं। शानदार दिन को यादगार बनाने के लिए वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी अतिथियों का भी किया धन्यवाद।

सिंगरामऊ पुलिस ने 4 चोरों को किया गया गिरफ्तार, कब्जे से चोरी का पंखा बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे। अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी बदलापुर के कुशल पर्यवेक्षण में थाना सिंगरामऊ पुलिस टीम द्वारा चोरी के चार अभियुक्तों को मु0अ0सं0 26/25 धारा 303(2)/317(2)/317(5) बीएनसएस में हरिहरपुर मोड के पास से गिरफ्तार किया गया। जिनके पास से चोरी का पानी उठाने वाला पंखा बरामद हुआ। अभियुक्तगण उपरोक्त के विरूद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी केशव नाविक पुत्र रमेश नाविक ग्राम चन्दौकी थाना आसपुर देवसरा जनपद प्रतापगढ। बादल खरवार पुत्र सन्तोष खरवार ग्राम नगर थाना आसपुर देवसरा जनपद प्रतापगढ। विशाल खरवार पुत्र दिलिप खरवार ग्राम नगर थाना आसपुर देवसरा जनपद प्रतापगढ। इमरान अहमद उर्फ पप्पू पुत्र अबु बकर अन्सारी ग्राम सिंगरामऊ थाना सिंगरामऊ जनपद जौनपुर।

जलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपदीय छात्रवृत्ति स्वीकृत समिति की बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में जनपदीय छात्रवृत्ति स्वीकृत समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। उक्त बैठक में सभी वर्गो के पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत सन्देहास्पद डाटा पर कार्यवाही के सम्बन्ध में चर्चा की गई। सभी वर्गा के पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत राज्य इकाई, एन0आई0सी0, लखनऊ द्वारा प्राप्त कराये गये सन्देहास्पद डाटा पर कार्यवाही हेतु बैठक सम्पन्न हुई बैठक में जिलाधिकारी द्वारा पिछड़े वर्ग के कुल 6466 डाटा, सामान्य वर्ष के कुल 4418 डाटा, अनुसूचित वर्ग के कुल 1403 डाटा, अनुसूचित जनजाति के कुल 5 डाटा एवं अल्पसंख्यक वर्ग के कुल 549 डाटा को जिलाधिकारी द्वारा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का निर्णय लिया गया।उक्त बैठक में मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, जिला पिछड़ावर्ग कल्याण अधिकारी नरेंद्र कुमार विश्वकर्मा, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला समाज कल्याण अधिकारी, सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

तुलसी घाट पर गंगा में उतराया मिला युवक का शव, छानबीन में जुट गई वाराणसी पुलिस

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के तुलसी घाट के पास गंगा में युवक का शव उतराया हुआ दिखाई दिया जिससे घाट पर स्नान कर रहे लोगों में और आस-पास के इलाके में सनसनी फैल गई। एनडीआरएफ की टीम ने शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराने में जुटी रही। शव देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि युवक की नहाते समय गंगा में डूबने से मौत हुई होगी। सोमवार को लोगों ने तुलसी घाट के पास गंगा में उतराया शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही अस्सी चौकी इंचार्ज दिगंबर उपाध्याय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने एनडीआरएफ तथा जल पुलिस की टीम को बुलाया। टीम की मदद से शव को बाहर निकाला गया। युवक की उम्र लगभग 22 वर्ष के आसपास होगी। उसके शरीर पर केवल अंडरवियर था, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह गंगा में नहाने आया था और गहरे पानी में डूब गया। पुलिस का मानना है कि युवक संभवतः लंका या रामनगर क्षेत्र में नहाते समय डूबा है। डूबने के बाद शव पानी में बहते हुए तुलसी घाट तक आ गया। लंका व रामनगर थानों से संपर्क कर गुमशुदगी की रिपोर्ट की जानकारी ली जा रही है। फिलहाल, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पानी के ओवरहेड टैंक से कूदकर व्यापारी ने जान दी

मेरठ (उत्तरशक्ति)। मवाना की आकांक्षा कालोनी में रविवार को पानी के ओवरहेड टैंक से कूदकर व्यापारी निपुण रस्तोगी (26) ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजन आत्महत्या करने का कारण नहीं बता रहे हैं। आकांक्षा कालोनी निवासी नृपेंद्र कुमार रस्तोगी ने बताया कि वह इंटर कालेज से प्रवक्ता पद से सेवानिवृत्त हैं। उनके बेटे निपुण रस्तोगी की गुड़ मंडी में कृष्णा एंपोरियम गिफ्ट के नाम से दुकान है। निपुण ने रविवार तड़के 3:30 बजे के आसपास कालोनी में स्थित पानी के ओवरहेड टैंक से कूदकर जान दे दी। वह अविवाहित था। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक मौके पर पहुंचे और शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। सीओ अभिषेक पटेल ने बताया कि निपुण ने आत्महत्या की है। उसके छोटे भाई की करीब छह साल पहले सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। परिजन अभी आत्महत्या का कारण नहीं बता रहे हैं।

महाकुम्भ से लौट रहे दर्शनार्थियों से भरी स्कॉर्पियो ट्रक से टकराई

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के सरोखनपुर एन एच-731 पर सोमवार की सुबह एक तेज रफ्तार से जा रही स्कॉर्पियो और ट्रक की भिड़ंत हो गई, जिसमें स्कॉर्पियो में सवार चार लोग घायल हो गए। हादसे के बाद सभी घायलों को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, स्कॉर्पियो में सवार सभी यात्री मधुबनी, बिहार के निवासी थे और अयोध्या दर्शन कर वाराणसी लौट रहे थे। घायलों की पहचान राधा देवी, हरे कृष्णा चौधरी, अमरनाथ चौधरी और नरी देवी के रूप में हुई है। इस संबंध में बदलापुर पुलिस ने बताया कि उपचार के उपरान्त सभी घायल अपने गंतव्य को चले गए। किसी भी पक्ष द्वारा तहरीर नहीं दी गयी है।

महिला की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के उंचनी गांव में पिकअप की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई, लेकिन मायके पक्ष के लोग हत्या का आरोप लगा रहे हैं। उक्त गांव निवासी संजय कुमार पाल की 35 वर्षीया पत्नी नीलम पाल रविवार की रात घर से कुछ दूरी पर थी कि उसी समय पेट्रोल पंप के पास पिकअप की चपेट में आने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। यह कथन मृतका के ससुराल वालों का है। दूसरी तरफ मायके से आए पिता भूलन पाल का आरोप है कि उसकी पुत्री को ससुराल के लोग इधर दो वर्षों से काफी प्रताड़ित किया करते थें और ज्ञान से मारने की धमकी भी दिया करते थें। उनके लड़की की हत्या करके दुर्घटना का रूप दिया जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने मौत का सही कारण जानने के लिए लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना में जितना मुंह उतनी बातें कहीं जा रही है।

घरवालों ने शादी का विरोध किया तो फंदे से लटक गया प्रेमी जोड़ा

बलिया(उत्तरशक्ति)। बलिया जिले के मनियर थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया। यहां एक मोहल्ले में रहने वाले युवक व युवती घरवालों द्वारा शादी का विरोध करने से नाराज होकर फंदे से लटककर आत्महत्या का प्रयास किया। परिजनों ने गंभीर अवस्था में इलाज के लिए दोनों को स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने जिला अस्पताल को रेफर कर दिया। चिकित्सक ने इलाज के लिए भर्ती कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। मनियर कस्बा के एक मोहल्ला निवासी एक युवक का गैर बिरादरी के युवती के साथ प्रेम संबंध चल रहा था। दोनों एक दूसरे से शादी करना चाहते थे। दोनों के परिजन इसके लिए तैयार नहीं थे। एक दूसरे से मिलने पर भी पाबंदी लगा दिए। इससे आहत होकर प्रेमी-प्रेमिका फोन पर एक दूसरे से बात करने के बाद युवक कमरे में फंदे से लटक गया। परिवार के सदस्य की नजर पड़ी तो चीख- पुकार मच गई। परिजनों ने उसे फंदे से उतार कर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्रेमी के खुदकुशी की खबर मिलते ही प्रेमिका भी कमरे में जाकर फंदे पर लट गई, जिसे उसकी मां ने देख लिया।

5 मार्च से वर्ल्ड सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट का 24वां संस्करण

~ जलवायु कार्रवाई को बढ़ावा देने को तैयार ~

मुंबई, 17 दिसंबर 2025: वर्ल्ड सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट (WSDS) का 24वां संस्करण 5 से 7 मार्च 2025 के बीच नई दिल्ली में आयोजित होगा। द एनर्जी एण्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टीईआरआई) द्वारा हर साल आयोजित किया जाने वाला यह सम्मेलन सस्टेनेबल डेव्लपमेंट और जलवायु परिवर्तन से जुड़े समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए एक प्रमुख वैश्विक मंच है। इस शिखर सम्मेलन में भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव के उद्घाटन भाषण देने की संभावना है। ग्लोबल साउथ में सतत विकास और पर्यावरण पर आयोजित होने वाला यह एकमात्र स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन है। WSDS 2025 का मुख्य विषय सतत विकास और जलवायु समाधान को तेजी देने के लिए साझेदारी होगा। इसमें जलवायु परिवर्तन से जुड़ी वैश्विक चुनौतियों और सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत को रेखांकित किया जाएगा। मौजूदा समय में SDGs को पूरा करने की दिशा में दुनिया पिछड़ रही है और उत्सर्जन को कम करने की जरूरत पहले से कहीं अधिक हो गई है। ऐसे में, यह सम्मेलन साझेदारी की ताकत पर जोर देगा, जिससे जलवायु परिवर्तन के खिलाफ ठोस कदम उठाए जा सकें।

टीईआरआई की महानिदेशक डॉ. विभा धवन ने कहा कि साझेदारी ही जलवायु परिवर्तन से निपटने के बड़े प्रयासों की बुनियाद है। हरऊर 2025 के जरिए हम ऐसे सामूहिक प्रयासों को प्रेरित करना चाहते हैं जो सीमाओं से परे जाकर नवाचार को बढ़ावा दें और एक स्थायी भविष्य के लिए ठोस समाधान पेश करें। यह सम्मेलन महत्वपूर्ण सहयोग स्थापित करने और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए एक अहम मंच बनेगा।

यह सम्मेलन एक ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है, जब सतत विकास लक्ष्यों और पेरिस जलवायु समझौते को अपनाए 10 साल पूरे हो चुके होंगे। सम्मेलन के दौरान उद्घाटन और समापन सत्र के अलावा सात उच्च-स्तरीय पूर्ण सत्र होंगे, जिनमें टिकाऊ वित्त, ऊर्जा रूपांतरण, प्रकृति, जलवायु प्रतिबद्धताएँ, लचीलापन, नवाचार और सतत विकास को मुख्यधारा में लाने जैसे विषयों पर चर्चा होगी। इसके अलावा, सम्मेलन में 24 से अधिक विशेष विषयगत सत्र भी होंगे।

WSDS 2025 दुनियाभर के प्रमुख नेताओं, नीति निमार्ताओं, वैज्ञानिकों, उद्योग विशेषज्ञों और युवा नेतृत्वकताओं को एक मंच पर लाएगा, जहां वे सतत विकास लक्ष्यों को गति देने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। इसमें COP30 की तैयारियों, COP33 के लिए भारत की मेजबानी की दावेदारी, राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDCs) के लक्ष्यों को और महत्वाकांक्षी बनाने के उपायों पर विचार किया जाएगा। इसके साथ ही, भारत ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करते हुए जलवायु कार्रवाई के मौजूदा परिदृश्य में एक नई वैश्विक दिशा तय करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

कविताओं के महाकुंभ में श्रीताओं ने लगाई डुबकी

लातूर। लायंस क्लब ऑफ लातूर सिटी द्वारा लातूर के दयानंद कालेज स्थित सभागार में एक अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुंबई के हास्य सम्राट सुरेश मिश्र के धमाकेदार संचालन में दमोह मध्यप्रदेश से पधारीं डाक्टर काव्या मिश्रा ने सरस्वती वंदना करके कवि सम्मेलन का आगाज किया। अमरावती के मनोज मद्रासी ने कवि सम्मेलन की शानदार ओपनिंग की। इटावा से आए ओज रस के राम भदावर ने अपने राष्ट्र भक्ति के गीतों से श्रोताओं के रोंगटे खड़े कर दिए। धार मध्यप्रदेश के हास्य कवि संदीप शर्मा ने खूब तालियां बटोरीं।यावतमाल के कपिल जैन ने अपनी छोटी-छोटी टिप्पणियों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

काव्या मिश्रा की बेटी कविता को खूब दाद मिली। अंत में कवि सम्मेलन में शिखर कलश रखा हास्य सम्राट सुरेश मिश्र ने। उन्होंने अपनी कविताओं और पैरोडियों से श्रोताओं को लोट पोट कर दिया। इससे पूर्व लायंस क्लब के अध्यक्ष नागनाथ गीत्ते, प्रोजेक्ट प्रमुख ला. राधेश्याम धुत व लायंस जगदीश हड्डा, ईश्वर प्रसाद चांडक, योगेश शिदे,ने आगंतुक मेहमानों का शॉल, पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

संगोल हॉस्पिटल रनर अप और एस एन हॉस्पिटल बनी ए पी एल 7 विजेता

मुंबई (उत्तरशक्ति)। 16 फरवरी रविवार को एंटॉप हिल मेडिको एसोसिएशन द्वारा आयोजित वडाला भक्ति पार्क ग्राउंड में एपीएल 7 का टूनार्मेंट खेला गया। जिसमें कुल पांच हॉस्पिटल की टीमों, ENT NEPHRO LION'S, DERMA LASOCARE, JAY HIND DIAGNOSTIC TITANS, SENGOL STAR'S, S N.HOSPITAL ने, भाग लिया। जिसमें एस एन हॉस्पिटल और सैंगोल हॉस्पिटल के बीच में फाइनल खेला गया। सैंगोल हॉस्पिटल ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। मैच 6 ओवर का खेला गया। जिसमें एस एन हॉस्पिटल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 6 ओवर में कुल 101 रन बनाएं एस एन हॉस्पिटल के ओपनर सलामी बल्लेबाज डॉ अफसीर खान ने सबसे ज्यादा 21 बॉल में 72 रन मारे और इस खेल के मैन ऑफ द मैच रहे। पहाड़ जैसे रनों का पीछा करने उतरी सैंगोल टीम के खिलाड़ियों ने 50 रन में ही SENGOL हॉस्पिटल के कप्तान डॉ अजीत कलवार ने अपने अस्त्र शास्त्र रख कर हार स्वीकार कर ली। अस्सछ 7 चमचमाती हुई ट्रॉफी एस एन हॉस्पिटल ने अपने नाम कर ली। एस एन टीम के ओनर डॉ आसिफ खान, कप्तान डॉ अफसीर खान, डॉ अमोल, डॉ धरम, डॉ अक्लेश, डॉ अनिकेत डॉ एम टी खान, डॉ जोगिंदर, डॉ अविनाश, डॉ जगन्नाथ, डॉ कर्णिक, डॉ गुलाब, डॉ अरविंद, डॉ पंकज, इस टूनार्मेंट में सभी खिलाड़ियों ने अपने दमदार पारी खेली। जहां गेंदबाजों ने अपने फिरकी तेज गेंदबाजी से बैट्समैन को छकाया और विकेट उखाड़ते रहे वही बल्लेबाजों के चौकों छक्कों के बरसात से पूरा खेल परिसर जनता के हौसलों और उनके तालियों के गड़गड़ाहट से, सराबोर होता रहा। एंटॉप हिल मेडिको एसोसिएशन के स्पोर्ट्स कमेटी के, अध्यक्ष एस एन शर्मा, उपाध्यक्ष आर आर सिंह, सेक्रेटरी जितेंद्र कर्णिक उप सेक्रेटरी एस आर ढकोलिया, ट्रेजरर एस एम उमर, कमेटी मेंबर डॉ अरविंद तिवारी, डॉ सुनील शुक्ला, डॉ सुजाता पटेल, डॉ खालिदा खान, डॉ किरण, डॉ एस एम मुलानी, डॉ के जी गड़ा, सभी स्पोर्ट्स कमेटी के सदस्यों ने बहुत ही बेहतरीन तरीके से क्रिकेट का आयोजन किया। सुबह नाश्ता, चाय, कॉफी, खाना, पानी पुरी एवं एफडीसी फार्मा के मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव सभी लोगों ने मिलकर इनारजल जूस का भारी मात्रा में व्यवस्था की। सभी को खिलाड़ियों ने कमेटी और व्यवस्थापक को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया।

प्रयागराज संगम स्टेशन 26 फरवरी तक के लिए बंद, भारी भीड़ के चलत

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। महाकुंभ मेले में उमड़ रही भारी भीड़ के चलते उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) का प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन 26 फरवरी तक बंद कर दिया गया है। रेलवे ने पहले 14 फरवरी, फिर 16 फरवरी तक स्टेशन को बंद रखने निर्णय लिया था, लेकिन भीड़ का दबाव कम न होने पर स्टेशन को 26 फरवरी तक बंद करने का फैसला लिया गया। इस स्टेशन से ट्रेन पकड़ने वालों को अब फाफामऊ रलवे स्टेशन पर जाना पड़ेगा। प्रयागराज जंक्शन पर रविवार की शाम भारी भीड़ उमड़ पड़ी। स्टेशन जाने वाले सभी रास्तों पर जाम लग गया। भारी भीड़ को देखते हुए महाकुंभ मेले के ध्वनि विस्तारक से यह सूचना प्रसारित करानी पड़ी कि प्रयागराज जंक्शन जाने वाले यात्री एक घंटे बाद ही जंक्शन जाएं, अभी वहां पर भारी भीड़ है। जो लोग जंक्शन से ट्रेन पकड़कर गंतव्य की ओर जान चाहते हैं वह एक घंटे बाद ही जंक्शन पर पहुंचें। सुबह से ही सभी स्टेशनों पर भारी भीड़ रही। प्रयागराज जंक्शन सहित सूबेदारगंज, फाफामऊ, छिवकी, रामबाग प्रयागराज, झूंसी और प्रयागराज जंक्शन पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने नैनी स्टेशन के बाहर का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया था। महाकुंभ मेले में त्रिवेणी मार्ग समेत कई जगहों पर रेलवे टिकट के रिजर्वेशन और और चालू टिकट की खरीद के लिए काउंटर भी बनाए गए हैं। रेलवे स्टेशन के अलावा बस स्टेशनों पर भी भारी भीड़ दिख रही है। रोडवेज के झूंसी स्थित अस्थाई बस स्टेशन पर गोरखपुर, सुल्तानपुर, जौनपुर, वाराणसी, मऊ, गाजीपुर सहित अन्य जनपदों के लिए जाने वालों की भारी भीड़ देखी गई। इसी तरह नेहरू पार्क स्थित अस्थायी बस स्टेशन पर कानपुर, खागा, फतेहपुर आदि स्थानों पर जाने के लिए यात्री परेशान रहे। फाफामऊ में प्रतापगढ़, लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, बस्ती, बहराइच और नैनी में चित्रकूट, महोबा, ललितपुर, झांसी, बांदा, रीवां, मिजार्पुर और मध्य प्रदेश देने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ स्टेशन पर जमा रही। कोई बस आते ही तुरंत भर जाती थी। दूसरे बस के इंतजार में यात्री घंटों परेशान रहे।

कॉमेडके / यूनिगेज यूजीईटी 2025 की प्रवेश परीक्षाओं के लिए आवेदन की तारीख घोषित

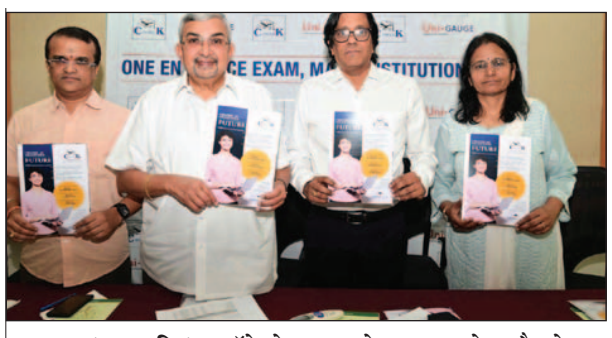

पटना(उत्तरशक्ति)। कॉमेडके यूजीइटी / यूनिगेज 2025 प्रवेश परीक्षा 10 मई, 2025 को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा कर्नाटक के 150 से ज्यादा इंजीनियरिंग कॉलेजों और देशभर के 50 से ज्यादा प्राइवेट और सेल्फ-फंडेड यूनिवर्सिटीज में प्रवेश के लिए होती है। इसे कुपेका और यूनिगेज से जुड़े संस्थानों में बी.ई / बी.टेक में एडमिशन के लिए आयोजित किया जाता है। यह ऑनलाइन परीक्षा भारत के 200 से ज्यादा शहरों में 400 से अधिक सेंटर पर होगी। इसमें 1,20,000 से ज्यादा छात्र शामिल हो सकते हैं। देशभर के छात्र इस परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। छात्र 3 फरवरी 2025 से 15 मार्च 2025 तक www.comedk.org या www.unigauge.com पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कॉमेडके के एग्जीक्यूटिव सेक्रेटरी डॉ. कुमार ने कहा, कॉमेडके का मानना है कि किसी छात्र की योग्यता ही उसकी शिक्षा का आधार होनी चाहिए। कॉमेडके यूजीइटी परीक्षा फेयरनेस, ट्रांसपेरेंसी और ऑपर्च्यूनिटी देने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। इस प्लेटफॉर्म से 150 से ज्यादा बेहतरीन कॉलेज छात्रों को प्रवेश देते हैं, और हम युवा प्रतिभाओं को अच्छी शिक्षा से जोड़ने पर गर्व महसूस करते हैं। ईआरए फाउंडेशन के सीईओ पी. मुरलीधर ने बताया कि हम यूनिगेज के जरिए निष्पक्षता और पारदर्शिता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए समर्पित हैं। यह प्लेटफॉर्म भारत के भविष्य के कार्यबल के समग्र विकास में मदद करता है। हमें इस उद्देश्य में योगदान देने पर गर्व है।

पुलिस चौकी के पास युवक ने खुद पर पेट्रोल छिड़क लगाई आग

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। यूपी के बलरामपुर से दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। शनिवार की रात करीब 10.30 बजे महदेया पुलिस चौकी के पास एक युवक ने खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लाग ली। इससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। उसे बचाने के चक्कर में पुलिस चौकी पर तैनात दीवान औरंगजेब भी झुलस गया। पुलिस ने उसे जिला संयुक्त अस्पताल लेकर पहुंची। वहां हालत नाजुक देखते हुए मेडिकल कॉलेज लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया। मामला श्रीदत्तगंज थाना क्षेत्र के मुजहनी गांव का है। गांव निवासी अनिल कुमार यादव उर्फ टिंकू (30) शनिवार रात करीब 8 बजे घर निकला था। रात करीब 12 बजे पुलिसवाले घर आए। बताया कि अनिल को चोट लगी है। घर में उसकी बुआ सोना देवी थीं। करीब 12.30 बजे चार पहिया से पुलिस आई। बुआ को यह बताकर लेकर चली गई, कि अनिल झुलस गया है। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। अनिल की भाभी मंजू देवी ने बताया कि लखनऊ से किसी का फोन रविवार को आया कि उनकी बुआ और देवर अनिल मेडिकल कॉलेज में हैं। अनिल ने तेजाब डाल लिया है। वह गले तक झुलस गया है। उसका इलाज चल रहा है। सब ठीक है। आप परेशान न हों। बुआ साथ में हैं। बुआ सोना देवी से बात करा दी। अनिल की भाभी ने इतना जरूर बताया कि किसी बात को लेकर अनिल शनिवार की रात घर से बाहर गया था।

अनिल की शादी हुई थी, लेकिन उसकी पत्नी साथ छोड़कर चली गई है। चार साल का बेटे की देखभाल वही कर रहा है। उसके माता-पिता का भी निधन हो चुका है। पत्नी के मामले से वह काफी परेशान रहता था।

अनुमान है कि वह पत्नी के मामले में ही पुलिस के पास गया था, या कोई और बात है। पुलिस के मुताबिक अनिल ने पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट एक साल पहले दर्ज कराई थी, जिसमें उसकी पत्नी को बरामद कर एसडीएम न्यायालय पर पेश किया गया। जहां पर पत्नी के बयान पर कार्रवाई हुई थी, उसमें उसकी पत्नी दूसरे वाले व्यक्ति के साथ ही चली गई थी।

पुलिस उपाधीक्षक उतरौला राघवेंद्र सिंह ने बताया कि पत्नी के विवाद तो था ही, अनिल का एक व्यक्ति वहीद से भी कुछ दिनों पहले विवाद हुआ था। जिसमें शिकायत पर रिपोर्ट भी दर्ज की गई थी। पत्नी से विवाद के बाद से अनिल अवसाद में रहता था, पुलिस चौकी से 100 मीटर दूरी पर उसने पेट्रोल छिड़क कर आग लगाई है।

मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे बचाने का प्रयास किया, एक दीवान भी झुलस गया है। युवक करीब 12 फीसदी झुलस गया है। उसका मेडिकल कॉलेज में इलाज कराया जा रहा है। उसके ठीक होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि युवक के झुलसने के मामले में पुलिस को उसके इलाज का निर्देश दिया गया है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक में मारी टक्कर,दो की मौत

भोजपुर(उत्तरशक्ति)। भोजपुर थाना क्षेत्र में सिरसवां दोराहे के पास बड़ा सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार दो मासूमों की मौत हो गई जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार हवा में उछलकर सड़क पर जा गिरे। इसके बाद कार भी अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। रामपुर जिले के लाम्बाखेड़ा टांडा निवासी मोनिस बाइक चला रहा था। बाइक पर उसकी बहन शाहीन (27) पत्नी नफीस, भाभी मोमीना (25) पत्नी मानिक, छह माह का भांजा माही और डेढ़ साल की भतीजी जुमैरा भी सवार थे। सिरसवां दोराहे से गुजरते वक्त पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे शाहीन की गोद में बैठा छह माह का माही और मोमीना की गोद में बैठी डेढ़ साल की जुमैरा सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना में शाहीन के पैर की हड्डी टूट गई, जबकि मोमीना और मोनिस को भी गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद कार भी सड़क किनारे खाई में पलट गई, चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा। पुलिस ने दोनों मासूम बच्चों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं और घायलों का इलाज चल रहा है। वहीं, फरार कार चालक की तलाश में पुलिस जुट गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की रफ्तार काफी तेज थी, जिससे हादसा हुआ।

पुलिस ने शांति भंग में 06 आरोपियों का चालान न्यायलय भेजा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस कप्तान जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। विशेष अभियान मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण व थानाध्यक्ष फूलचन्द पाण्डेय के निर्देश के क्रम में उ0नि0 अरविन्द कुमार यादव जनसुनवाई कर रहे थे उसी समय प्रथम पक्ष के सुरेन्द्र सरोज पुत्र बसन्ता सरोज उम्र 51 वर्ष, दिनेश सरोज पुत्र लालता सरोज उम्र 43 वर्ष, सत्येन्द्र सरोज पुत्र बसन्ता सरोज उम्र 38 वर्ष, आलोक सरोज पुत्र शारदा प्रसाद उम्र 25 वर्ष व द्वितीय पक्ष के सोनू पाल पुत्र गजेन्द्र पाल उम्र 24 वर्ष, प्रिन्स पाल पुत्र महेन्द्र पाल उम्र 19 वर्ष निवासीगण धर्मापुर थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर के मध्य मडई रखने की बात को लेकर थाना स्थानीय पर आये थे। उभय पक्षो की बातो को सुना ही जा रहा था कि उभय पक्ष आपस मे जोर जोर से बाते कर आमादा फौजदारी होने लगे उभय पक्ष को काफी समझाने का प्रयास किया जा रहा था। तो उभय पक्ष हम पुलिस वालो की बात को न मानकर आक्रोशित व और अधिक उग्र हो गये कोई अन्य विकल्प न देख उभय पक्ष को पहरा व थाना कार्यालय की मदद से समय करीब 14.00 बजे हिरासत पुलिस लिया गया। उभय पक्ष उपरोक्त का चालान अन्तर्गत धारा 170/135/126 बीएनएसएस मे तैयार कर उपजिलाधिकारी सदर जौनपुर प्रेषित किया जा रहा है।

मोहक सीटी निवासी सत्यम गुप्ता संग श्वेता गुप्ता परिणय-सूत्र में बधे

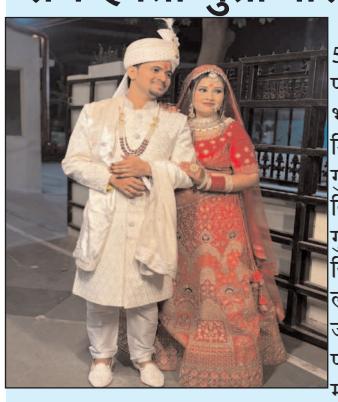

विरार (उत्तरशक्ति)। एफ 502 फ्लोरेंस अपार्टमेंट मनवेल पाढा मोहक सीटी निवासी उत्तर भारतीय समाज में लोक प्रिय संतोष मिठाई लाल गुप्ता के बेटे सत्यम गुप्ता का शुभ विवाह समारोह दिनांक 13 फरवरी 2025 दिन गुरुवार को मध्यप्रदेश के ग्वालियर जिले में संपन्न हुआ। संतोष मिठाई लाल गुप्ता पैतृक गांव उत्तर प्रदेश जनपद देवरिया गौरी बाजार, ग्राम पथहरट के मूल निवासी हैं। महाराष्ट्र जिला पालघर विरार पूर्व से बारात ग्वालियर गई थी। बरात में शहनाई एवं बैंड बाजे की धुन पर हर कोई थिरकता नजर आया और लोग खुशी से झूम रहे थे। उस समारोह में विरार के अनेक जाने माने लोग वर बधु को आशीर्वाद देने के लिए शामिल हुए थे । जिसमें समाजसेवी व रियल एस्टेट एजेंट राजेश जायसवाल , पिता संतोष गुप्ता , दादा मिठाई लाल गुप्ता , श्रीमती कैलाशी देवी, मां श्रीमती सुमन संतोष गुप्ता, कामाक्षा गुप्ता , कौशल गुप्ता , अरविंद गुप्ता , धर्मेंद्र गुप्ता , विजय गुप्ता, पिंटू गुप्ता , विशेष गुप्ता , राजकुमार गुप्ता , अमित गुप्ता , संदीप गुप्ता , सूरज गुप्ता, शिवम गुप्ता , सुंदरम गुप्ता , रिंकू गुप्ता सहित कई लोगों ने वर वधु को आशीर्वाद प्रदान किया । संतोष मिठाई लाल गुप्ता ने सभी आए हुए मेहमानों का आभार व्यक्त किया ।

स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण परिवारों को 100 लाख करोड़ रुपये तक का ऋण मिल सकेगा

मुंबई। होटल ताज पैलेस में आयोजित टाइम्स ग्रुप ET नाउ ग्लोबल बिजनेस समिट 2025 के 9वें संस्करण में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य अतिथि के रूप में कारोबारियों, उद्यमियों और विदेशी गणमान्य अतिथियों को संबोधित किया। टाइम्स ग्रुप के एमडी विनीत जैन ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के व्यापक सुधारों से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है और कारोबारियों में उत्साह बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, विकसित भारत की दिशा में हमारी यात्रा में निजी क्षेत्र एक अहम भागीदार है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पिछले समिट में जो वादे किए गए थे, वे सभी पूरे किए गए हैं, और यही इस ग्लोबल समिट का महत्व है। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा कि भारत में आर्थिक सुधार, खासकर बैंकिंग सेक्टर में, अच्छे नतीजे दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि अप्रैल-दिसंबर 2024 के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने 1.25 लाख करोड़ रुपये का ऐतिहासिक मुनाफा दर्ज किया है। व्यापार को आसान बनाने के लिए सरकार अब डि-रेग्युलेशन कमीशन की शुरूआत कर रही है, जिससे सरकारी दखल कम होगा और कारोबार करने के नियमों को सरल बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में निजी क्षेत्र की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी निवेश के लिए खोलने पर मिली शानदार प्रतिक्रिया से प्रेरित होकर, अब हम परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को भी निजी भागीदारी के लिए खोलने जा रहे हैं। इससे देश के विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी और मजबूत होगी। देश की बैंकिंग व्यवस्था पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक दशक पहले भारत की बैंकिंग प्रणाली संकट में थी। करोड़ों लोग औपचारिक बैंकिंग सेवाओं से बाहर थे और ऋण पाना आसान नहीं था। लेकिन आज हमने इस स्थिति को पूरी तरह बदल दिया है और हर नागरिक के लिए वित्तीय सेवाएं सुलभ बना दी हैं। उन्होंने कहा, जिसे कभी असंभव माना जाता था, वह आज हकीकत बन चुका है। अब बैंकिंग सेवाएं देश के हर कोने तक पहुंच रही हैं। उन्होंने आगे कहा, बैंक रहित लोगों को बैंकिंग सुविधा देना, असुरक्षित लोगों को सुरक्षा देना और जरूरतमंदों को वित्तीय सहायता देना–यही हमारी रणनीति है।

एयरटेल ने मुंबई और चेन्नई में SEA-ME-WE-6 केबल स्थापित किया

मुंबई। भारत की अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी भारती एयरटेल लिमिटेड, एयरटेल ने मुंबई और चेन्नई में नया SEA-ME-WE-6 साउथईस्ट एशिया.मिडल ईस्ट.वेस्ट यूरोप .6E या SMW6 केबल उतारा है। इस केबल की लैंडिंग सबकॉम द्वारा की गईए जो समुद्री फाइबर ऑप्टिक केबल डेटा सिस्टम की एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता कंपनी है। SEA-ME-WE-6 का डिजाइनए निर्माण और स्थापना भी इसी के द्वारा किया गया है। 21.700 रूट किलोमीटर लंबी यह समुद्री केबल प्रणाली भारत को सिंगापुर और फ्रांस ;मारसे द्ध से जोड़ती है जो मिस्र से होते हुए स्थलीय केबल नेटवर्क के माध्यम से गुजरती है। इस नई केबल लैंडिंग के साथए एयरटेल ने वैश्विक स्तर पर अपनी उपसमुद्री केबल प्रणाली की क्षमता और नेटवर्क उपस्थिति को और मजबूत किया है। एयरटेल बिजनेस के निर्देशक और सीईओ शरत सिन्हा ने कहाए ष्हम अपने ग्राहकों को बेहतरीन सेवाएं देने के लिए निरंतर प्रयासरत हैंए और यह नया निवेश तथा उपलब्धि हमारे सुरक्षितए विशाल और अत्याधुनिक वैश्विक नेटवर्क को और मजबूत बनाएगी। हमें खुशी है कि हम दुनिया की सबसे बड़ी केबल प्रणालियों में से एक को अपने नेटवर्क का हिस्सा बना रहे हैं। यह हमारी मौजूदा 4 लाख रूट किलोमीटर लंबी नेटवर्क क्षमता को और मजबूती देता हैए जो 50 से अधिक देशों में फैला हुआ है। साथ हीए यह डिजिटल इंडिया की बढ़ती वैश्विक कनेक्टिविटी और डेटा आवश्यकताओं को अतिरिक्त मार्गए विविधता और अधिक क्षमता के साथ पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। मुंबई और चेन्नई में केबल लैंडिंग को पूरी तरह से एयरटेल के डेटा सेंटर डिवीजन ष्नेक्स्ट्रा बाय एयरटेलष के साथ जोड़ा जाएगा। इसे इन शहरों में मौजूद कंपनी की बड़ी डेटा सेंटर सुविधाओं में शामिल किया जाएगा। इसका उद्देश्य भारत में वैश्विक स्तर पर काम करने वाली बड़ी कंपनियों और व्यवसायों को बेहतर अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी और डेटा सेंटर सेवाओं तक आसान और निर्बाध पहुंच उपलब्ध कराना है। SEA-ME-WE-6 केबल सिस्टम के कंसोर्टियम के एक प्रमुख सदस्य के रूप में एयरटेल ने इस कोर केबल में निवेश किया है। इसके अलावाए एयरटेल ने सिंगापुरए चेन्नई और मुंबई के बीच चार फाइबर पेयर्स का एक निजी नेटवर्क भी तैयार किया है। यह केबल सिस्टम भारत में 220 टेराबिट प्रति सेकंड (TBPs) की वैश्विक क्षमता जोड़ेगाए जिससे देश की डिजिटल कनेक्टिविटी को और अधिक सशक्त बनाया जा सकेगा।

काशी विश्वनाथ धाम में विधि-विधान से किया गया रुद्राभिषेक

-सुरेश गांधी

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा संकल्पित प्रत्येक सोमवार को रुद्राभिषेक आराधना जारी है। इसी कड़ी में सोमवार को भी धाम में शास्त्रोक्त विधि से पूजन अर्चन किया गया। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास का प्रतिनिधित्व करते हुए सीईओ विश्वभूषण ने धाम में स्थित श्री अविमुक्तेश्वर महादेव का रूद्राभिषेक न्यास द्वारा संकल्पित विशिष्ट उद्देश्य के संकल्प पाठ संग किया। उन्होंने रुद्राभिषेक के बाद मंदिर के शिखर की आरती की। इस दौरान रुद्र मंत्रोच्चार से धाम गुंजायमान रहा।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालुओं का आगमन निरंतर बना हुआ है। श्री विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी संख्या के बीच मंदिर न्यास उच्च स्तरीय प्रबंधन के लिए दिन-रात प्रयास कर रहा है। न्यास के अधिकारी धाम में श्रद्धालुओं के लिए सेवा भाव से किए गए प्रबंधों को लेकर पूरी संवेदनशीलता से निगरानी कर रहे हैं। मंदिर के सीईओ श्री विश्व भूषण स्वयं श्री काशी

विश्वनाथ धाम में आए श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को लेकर कई चक्र निरीक्षण कर रहे हैं और न्यास के कार्मिकों को सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित कर रहे हैं। उन्होंने सोमवार को धाम के गेट नंबर- 4 से लेकर गंगा द्वार तक श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्था को परखा और धाम में आए श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, स्वच्छता, भीड़ प्रबंधन, बुजुर्गों तथा गोद में बच्चे लेकर आए श्रद्धालुओं के लिए बनायी गयी व्यवस्था को चुस्त- दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं से संवाद कर सुविधाओं की जानकारी दी साथ ही व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सुझाव भी पूछे। उन्होंने बुजुर्ग श्रद्धालुओं का बड़े ही आत्मीय ढंग से श्री काशी विश्वनाथ महादेव के दरबार में स्वागत करते हुए उन्हें आराम से महादेव का दर्शन सुलभ कराया। गोद में बच्चे लेकर लाइन में लगे श्रद्धालुओं के लिए न्यास के कार्मिक लगाकर सुगम दर्शन की व्यवस्था कराई। सीईओ ने धाम में भ्रमण के दौरान बाल भक्तों पर जमकर स्नेह बरसाया। उन्होंने बाल भक्तों के पास पहुंचकर उनका स्वागत करते हुए महादेव के आशीर्वाद स्वरुप टाफी, चॉकलेट वितरित किए।

काशी में भीड़ का आलम यह है कि बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने आ रहे भक्त मंदिर को दूर से ही प्रणाम कर लौट जा रहे हैं। ऑनलाइन दान देकर खुद को संतुष्ट कर रहे हैं। दक्षिण भारत से आए भक्तों ने भी बाबा का ऑनलाइन दर्शन किया। दावा है कि बीते 16 दिन में 700 श्रद्धालुओं से मंदिर को करीब 10 लाख रुपये ऑनलाइन डोनेशन में मिले हैं। दान करने वाले श्रद्धालुओं ने जाम का भी हवाला दिया है। मंदिर प्रशासन 5000 से एक लाख रुपये तक देने वाले भक्तों को एप्रेसिएशन सर्टिफिकेट, रुद्राक्ष की माला, अंगवस्त्रम् और एक साल में एक रुद्राभिषेक या सुगम दर्शन की सुविधा देता है। एक लाख से 11 लाख तक दान करने वालों को 5 शास्त्री से रुद्राभिषेक या सुगम दर्शन और 11 लाख से ऊपर डोनेट करने वालों को 10 साल तक पांच शास्त्री से रुद्राभिषेक कराने और सुगम दर्शन की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए एक क्यूआर कोड से लैस कार्ड दिया जाएगा।

रुपया 17 पैसे टूटकर 86.88 प्रति डॉलर पर, घरेलू बाजारों में कमजोरी

नईदिल्ली। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सोमवार को 17 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.88 पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी की भारी निकासी और अमेरिकी डॉलर सूचकांक में सुधार से रुपये में यह गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया नकारात्मक रुख के साथ कारोबार कर रहा है। इसकी प्रमुख वजह है कि विदेशी बैंक डॉलर की खरीद पर उतारू हैं और आयातक डॉलर को सुरक्षित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि उन्हें वैश्विक अनिश्चितता के बीच भविष्य में मूल्यह्रास की आशंका है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.70 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान इसने डॉलर के मुकाबले 86.68 के उच्चस्तर और 86.88 के निचले स्तर को छुआ। अंत में डॉलर के मुकाबले 86.88 पर बंद हुआ, जो अपने पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.71 पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, ह्यह्य घरेलू बाजारों में कमजोरी और अमेरिकी डॉलर सूचकांक में सुधार से आज भारतीय रुपये में गिरावट आई। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में कमी ने इसकी गिरावट को सीमित किया।" चौधरी ने कहा, ह्यह्य घरेलू शेयर बाजार में गिरावट और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से रुपये के नकारात्मक रुख के साथ कारोबार करने की आशंका है। अमेरिकी डॉलर में समग्र मजबूती भी रुपये पर दबाव डाल सकती है। हालांकि, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में और गिरावट या भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से किसी तरह का हस्तक्षेप निचले स्तर पर रुपये को समर्थन दे सकता है।" इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 प्रतिशत बढ़त के साथ 106.85 पर कारोबार कर रहा था। वायदा कारोबार में वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.12 प्रतिशत बढ़त के साथ 74.83 डॉलर प्रति बैरल हो गया। घरेलू शेयर बाजार में, 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 57.65 अंक बढ़कर 75,996.86 अंक पर, जबकि निफ्टी 30.25 अंक चढ़कर 22,959.50 अंक पर बंद हुआ।

डिवाइडर से टकराई कार, महाकुंभ से लौट रहे 3 नेपाली श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के रानी का सराय क्षेत्र में सोमवार सुबह आजमगढ़-वाराणसी राजमार्ग पर महाकुंभ से वापस आ रहे श्रद्धालुओं की एक कार डिवाइडर से टकरा गई। इस घटना में पति-पत्नी सहित तीन लोगों की मौत हो गई तथा पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि दुर्घटना के शिकार लोग नेपाल के रूपम देही जिले के देवदार नगर के निवासी हैं, जो 15 फरवरी को नेपाल से कार के जरिये प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने गए थे। आज सुबह वे वापस लौट रहे थे तभी रानी की सराय थाना क्षेत्र के मझगांव गांव के पास उनकी कार एक डिवाइडर से टकरा गई। उन्होंने बताया कि इस हादसे में दीपा (35), उसके पति गणेश (45) और गंगा (40) नामक लोगों की मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि हादसे में पांच अन्य लोग भी घायल हो गए। उन्हें गोरखपुर चिकित्सालय रेफर किया गया है।

काशी और तमिलनाडु का सांस्कृतिक व आध्यात्मिक संबंध हजारों वर्षों पुराना है : शेखावत

वाराणसी। काशी तमिल संगमम् 3.0 के तीसरे दल का काशी विश्वनाथ धाम से लेकर नमो घाट तक भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर नमो घाट पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शामिल हुए। उनके साथ जिलाधिकारी एस राजलिंगम भी मौजूद रहे। इस दौरान मंत्री ने तमिलनाडु से आए छात्रों के समूह से बातचीत की और उनके साथ सेल्फी भी खिंचवाई। मंत्री ने महर्षि आगस्त्य की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आशीर्वाद भी लिया।

उन्होंने केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान द्वारा लगाए गए बुक स्टाल पर किताबें देखी और कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकें भी खरीदी। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न संगीत यंत्रों पर प्रस्तुति कर रहे कलाकारों की प्रशंसा की। कलाकारों द्वारा भारतनाट्यम संगीत की प्रस्तुति दी गई। अंत में उन्होंने अतिथियों को संबोधित करते हुए कहा, काशी-तमिल संगम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ह्यएक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को

साकार करने वाला ऐतिहासिक सांस्कृतिक आयोजन है। काशी और तमिलनाडु के बीच का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध हजारों वर्षों पुराना है। यह संबंध भारतीय सभ्यता की एकता और विविधता का प्रतीक है। गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से देशवासियों को तमिलनाडु की लोककलाओं, परंपराओं और भाषा-साहित्य की संपन्नता से परिचित होने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करता है, बल्कि भारतीय समाज की अखंडता और एकता की भावना को भी मजबूत करता है।

इसके पहले तमिलनाडु से आए डेलिगेट्स ने हनुमान घाट पर गंगा स्नान किया। वहां मौजूद आचार्यों ने छात्रों को विस्तार से गंगा के विभिन्न घाटों के इतिहास के बारे में बताया। पं. वेंकट रमण घनपाठी ने कहा - काशी और तमिलनाडु का गहरा रिश्ता है। ये समागम महज एक पखवाड़े का नहीं सदियों पुराना है। पं. वेंकट रमण घनपाठी ने बताया कि काशी के हनुमान घाट, केदारघाट, हरिश्चंद्र घाट पर मिनी तमिलनाडु बसता है। जहां एक दो नहीं, बल्कि दक्षिण भारत के अलग-अलग राज्यों के हजारों परिवार बसते हैं, जो इन दोनों राज्यों के मधुर रिश्ते को दशार्ते हैं।

नमो घाट पर आयोजित काशी तमिल संगमम् 3.0 में ऋषि अगस्त्य एवं विकसित भारत विषय पर केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा लगायी गयी चित्र प्रदर्शनी पंडाल में दर्शकों के मध्य सोमवार को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।। सही जबाब देने वाले विजेताओं को सीबीसी, लखनऊ के निदेशक मनोज कुमार वर्मा ने पुरस्कार प्रदान किया। प्रदर्शनी में ऐक्यं बलं समाजस्य जिसका अर्थ है एकता ही समाज का बल है सहित एक राष्ट्र एक कर एक देश एक पावर ग्रिड, एक देश एक राशन कार्ड जैसी भारत सरकार की पहलें को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। केंद्र सरकार इन सारी पहलों से देश की एकता को बल मिल रहा है।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में सोमवार को आयोजित बौद्धिक सत्र में कृषि और पारंपरिक हस्तकला में पारस्परिक ज्ञान साझा कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और मजबूत बनाने पर विचार मंथन हुआ। तमिलनाडु के किसानों और हस्तकला कारीगरों समेत 210 से अधिक सदस्यों के प्रतिनिधि मंडल ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय का दौरा किया तथा वैचारिक सत्र में भाग लिया। इस दौरान एकीकृत कृषि पद्धतियों और नवीनतम कृषि प्रणालियों के बारे में जानकारी दी गई। विशेष रूप से मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन और पोषण आधारित फसल प्रणालियों पर चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने कृषि फार्म के दौरे के दौरान आधुनिक कृषि तकनीकों, डेयरी उत्पादन और पोषण आधारित कृषि पद्धतियों के बारे में जाना। इसके साथ ही वर्मीकम्पोस्टिंग और जलवायु परिवर्तन से निपटने की रणनीतियों पर भी जानकारी प्राप्त की।

आरबीआई की दर में कटौती मुंबई महानगर क्षेत्र में किफायती आवास को कैसे नया रूप देगी

मुंबई। 7 फरवरी, 2025 को, भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 25-आधार-बिंदु की कमी की घोषणा की, जिसे 6.25% तक लाया गया। यह लगभग पांच वर्षों में पहली दर में कटौती है और मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के आवास बाजार-विशेष रूप से किफायती खंड के लिए एक गेम चेंजर हो सकता है। गृह ऋण को अधिक सुलभ बनाकर, यह कदम मांग को फिर से स्थापित करने और क्षेत्र में अचल संपत्ति की गतिशीलता को फिर से आकार देने के लिए निर्धारित है। किफायती गृह ऋण का एक नया युग कम रेपो दर बैंकों के लिए आवास ऋण ब्याज दरों को कम करने का मार्ग प्रशस्त करती है। जिससे सीधे घर खरीदारों को लाभ होता है। यहां तक कि ब्याज दरों में मामूली कमी से मासिक ईएमआई पर पर्याप्त बचत हो सकती है, जिससे घर का स्वामित्व एक अधिक प्राप्य लक्ष्य बन जाता है। पहली बार खरीदारों और मध्यम आय वाले परिवारों के लिए, इस कदम का मतलब खरीद में देरी करने

और आज अपने घर में कदम रखने के बीच का अंतर हो सकता है। मकानों की मांग बढ़ी एमएमआर लंबे समय से भारत में सबसे महंगे अचल संपत्ति बाजारों में से एक रहा है, जिसमें आसमान छूती भूमि और निर्माण लागत कई लोगों के लिए संपत्ति की कीमतों को पहुंच से बाहर रखती है। अब, सस्ते वित्तपोषण विकल्पों के साथ, किफायती और मध्य-खंड आवास श्रेणियों में मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। जैसे-जैसे अधिक खरीदार बाजार में प्रवेश करते हैं, डेवलपर्स को परियोजनाओं को तेजी से ट्रैक करने और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण की पेशकश करने की संभावना होती है, जिससे एक लहर प्रभाव पैदा होता है जो समग्र बाजार की गति को बढ़ाता है। घर खरीदारों के लिए अवसर की एक खिड़की उन लोगों के लिए जो किनारे पर इंतजार कर रहे हैं, यह डुबकी लगाने का सही समय हो सकता है। कम उधार लेने की लागत दीर्घकालिक वित्तीय बचत में बदल जाती है, जिससे घर का स्वामित्व न केवल एक सपना बल्कि एक अच्छा वित्तीय निर्णय बन जाता है। हालांकि, संभावित खरीदारों को तेजी से काम करना चाहिए-अधिक मांग आने वाले महीनों में संपत्ति की कीमतों को बढ़ा सकती है। आगे का रास्ता हालांकि दर में कटौती एक स्वागत योग्य कदम है, लेकिन इसका वास्तविक प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि बैंक कितनी जल्दी उधारकताओं को लाभ देते हैं। इसके अतिरिक्त, बुनियादी ढांचे में निवेश और किफायती आवास के लिए प्रोत्साहन जैसी पूरक सरकारी नीतियां दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होंगी।

ढाई लाख रुपये में पत्नी की सुपारी देकर कराई हत्या, मास्टरमाइंड पति समेत 6 गिरफ्तार

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना जिले में पुलिस ने एक महिला की हत्या के मामले में चौंकाने वाला खुलासा किया है। हत्या का आरोप मृतका के पति आलोक मित्तल पर है, जो आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता भी है। पुलिस ने आलोक मित्तल समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है। पुलिस कमिश्नर कुलदीप चहल के अनुसार, आलोक मित्तल का एक महिला से प्रेम संबंध था और जब उसकी पत्नी को इस बारे में पता चला, तो आलोक ने अपनी पत्नी की हत्या की योजना बनाई। उसने 2.5 लाख रुपये में हत्या करने के लिए सुपारी दी थी, जिसमें 50 हजार रुपये एडवांस दिए थे और बाकी 2 लाख रुपये हत्या के बाद देने का वादा किया था। पुलिस जांच में यह भी पता चला कि आलोक पहले भी अपनी पत्नी की हत्या की योजना बना चुका था, लेकिन वह सफल नहीं हो पाया। इस बार उसने पूरी साजिश रची और सुपारी किलर को भेजा। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल की गई कार भी बरामद कर ली है। इस घटना में आलोक की प्रेमिका भी शामिल थी, हालांकि हत्या के समय वह मौके पर नहीं थी। पुलिस ने उसके खिलाफ भी कार्रवाई की है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में कुछ साहनेवाल और ढंडारी के रहने वाले हैं, और उनकी पिछली गतिविधियों की भी जांच की जा रही है।

ओडिशा : हॉस्टल में मृत पाई गई नेपाली छात्रा, कैंपस छोड़ जाने लगे छात्र, ओली ने कर दी ऐसी मांग

भुवनेश्वर/काठमांडू। ओडिशा में एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज की बीटेक तृतीय वर्ष की नेपाली छात्रा ने अपने छात्रावास में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। संस्थान में तनाव के बाद सोमवार को नेपाल के छात्रों के एक समूह को परिसर से बाहर निकाल दिया गया। छात्रा की पहचान नेपाल की प्रकृति लामसाल के रूप में हुई है।

कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी' (केआईआईटी) के रजिस्ट्रार ने बताया कि लामसाल संस्थान में बीटेक तृतीय वर्ष की छात्रा थी। सूत्रों ने बताया कि परिसर में स्थिति बिगड़ने पर केआईआईटी अधिकारियों ने कुछ नेपाली छात्रों को छात्रावास से कथित तौर पर निकाल दिया और उनकी यात्रा की कोई व्यवस्था किए बिना उन्हें कटक रेलवे स्टेशन पर छोड़ दिया। कुछ छात्रों ने दावा किया, हमारे पास भोजन, पानी या रेल टिकट खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं।" कई छात्र आरक्षित टिकट नहीं मिल पाने के कारण पुरी-पटना एक्सप्रेस ट्रेन में सामान्य डिब्बे में चढ़ गए। हालांकि, नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के दखल के बाद, परिसर से बाहर किए गए छात्रों को कुछ राहत मिली। ओली ने फेसबुक पर नेपाली भाषा में लिखा, मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से हमारे संज्ञान में आया है कि ओडिशा में केआईआईटी के एक छात्रावास में एक नेपाली छात्रा की मौत हो गई है और नेपाली छात्रों को जबरन बाहर निकाल दिया गया। सरकार इस मामले पर कूटनीतिक माध्यम से काम कर रही है और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है।" ओली के दखल के बाद, केआईआईटी अधिकारियों ने नेपाली छात्रों से परिसर में लौटने की अपील की। केआईआईटी ने कहा, हमारे सभी नेपाली छात्रों से अपील की जाती है कि वे वापस लौटें और कक्षाओं में शामिल हों।" ओली ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नई दिल्ली स्थित हमारे दूतावास ने ओडिशा में प्रभावित नेपाली छात्रों की काउंसलिंग के लिए दो अधिकारियों को भेजा है। इसके अतिरिक्त, यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था की गई है कि उनके पास अपनी पसंद के आधार पर या तो अपने छात्रावास में रहने या घर लौटने का विकल्प हो।" नेपाल की विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा ने कहा कि घटना के संबंध में कूटनीतिक पहल की जा रही है। बाद में, एक अलग बयान में, दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास ने कहा कि केआईआईटी ने आश्वासन दिया है कि वह विश्वविद्यालय छात्रावास में नेपाली छात्रों के ठहरने की व्यवस्था करेगा तथा उनके शैक्षणिक नुकसान की भरपाई करेगा। दूतावास ने कहा कि वह भारत सरकार और ओडिशा के मुख्यमंत्री कार्यालय के संपर्क में है तथा घटना के संबंध में अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। इससे पहले, छात्रा के चचेरे भाई ने भुवनेश्वर में इन्फोसिटी थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसमें उन्होंने कहा कि उनकी बहन ने रविवार को अपने छात्रावास के कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। उन्होंने दावा किया कि विश्वविद्यालय का एक छात्र उनकी बहन को ह्यब्लैकमेल' कर रहा था, जिसके कारण उनकी बहन ने आत्महत्या कर ली। केआईआईटी ने बयान में कहा, ह्यह्यबीटेक तृतीय वर्ष में पढ़ने वाली नेपाल की छात्रा ने रविवार को छात्रावास में आत्महत्या कर ली।

NAME CHANGE

I, Dheera Manish Sharma D/O Mr Dayanand Ramchandra Tiwari 1103/1104, B wing, Palazzio by spenta, safed pul, Sakinaka, Andheri East, Mumbai 400072 have changed my name to Dheera Dayanand Tiwari for all future purposes

TSMH
त्रिभुवन सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल

डा0 जयेश सिंह
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
पीडियाट्रिक्स
डी.एम. नियोनेटोलॉजी
(Fernandez Hospital, Hyderabad)
DASSI (KEM Pune)
ONTOP (AIIMS New Delhi)

डा0 स्पृहा सिंह
M.B.B.S., MD (Pt. JNM Raipur)
CCEBDM (Diabeties)
जनरल फिजिशियन एवं मधुरोग
विशेषज्ञ पूर्व चिकित्सक आपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद

वयस्कों में हार्ट, किडनी, शुगर, पेट रोग लकवा पैरालाइसिस, निमोनिया, लीवर, डेंगू, मलेरिया, टाईफाइड, अस्थमा/दमा, हाईब्लड प्रेशर मलेरिया, डायलसिस, सिजेरियन डिलिवरी, नर्सों में शून्नपन मस्तिष्क ज्वर, पीलिया, हेपेटाईटिस बी., ल्यूकोरिया, खूनी पेचिस, सर दर्द, माइग्रेन, यूरिन इन्फेक्शन स्वास व फेफड़ा रोग व अन्य सभी रोगों का इलाज किया जाता है।

आयुष्मान कार्ड द्वारा नवजात शिशु, बच्चों एवं व्यस्को का निःशुल्क इलाज।
पूर्वांचल के एक मात्र सुपरस्पेसिलिस्ट नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ

पता- दिवानी कचहरी, अम्बेडकर तिराहा, जौनपुर | 05452-356274, 7992031213, 9026551423 | YouTube @TribhuvanSinghMemorialHospital

जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

डा0 नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ
पूर्व सिनियर रेजि. एल.बी.एस. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
ए.एस.बी. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
संजय गाँधी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
पूर्व असि0 प्रोफेसर एच.आई.एम.एस. लखनऊ

डा0 शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
पूर्व सिनियर रेजि. एल.बी.एस. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
ए.एस.बी. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
संजय गाँधी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
पूर्व असि0 प्रोफेसर एच.आई.एम.एस. लखनऊ

सुविधाएं- अल्ट्रासाउण्ड, ई.सी.जी., एक्स-रे, पैथोलॉजी,सी0टी0जी0 मशीन, कालपोस्कोपी, फेक्चर, गठिया. कमर. दर्द. ऑथराईटिस. फिजियोथिरैपी. कल्ला प्रत्यारोपण
सिजेरियन डिलीवरी, बच्चेदानी का ऑपरेशन, ट्यूमर का ऑपरेशन, नसबन्दी इत्यादि।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की सुविधा उपलब्ध
हड्डी रोग विभाग | स्त्री एवं प्रसूति विभाग
प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का इलाज पूर्णतया निःशुल्क। इलाज के दौरान दवा, जाँच जैसे कि एक्स-रे इत्यादि पूर्णतया निःशुल्क
247 Emergency Services
प्रत्येक गुरुवार निःशुल्क ओ0पी0डी0
संपर्क करें- 6390303050
पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड, जौनपुर